शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 164 | गुवाहाटी | रविवार, 12 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा ने जारी की 29 उम्मीदवारों की दूसरी सूची — पेज 2
इसानों को बकरा बना रात को संभोग करती हैं असम की लड़कियां — पेज 3
प्रयाग के पंडों के पास है गांधी, नेहरू और पटेल की वंशावलियों का लेखा जोखा — पेज 5
महिला हॉकी इंडिया लीग आईपीएल जैसा ही प्रभाव डालेगी : रानी रामपाल — पेज 7

उमरांग्सू खदान से निकाले गए तीन और शव

अब तक चार की मौत, कुछ मजदूर अभी भी फंसे

गुवाहाटी। असम के डिमा हसाउ जिले में एक कोयला खदान के अंदर फंसे खदान हादसे से अब तीन और लोगों का शव बरामद कर लिया गया है। खदान से अब तक 4 लोगों का शव बरामद किया जा चुका है। पहला शव बुधवार को उमरांग्सू की खदान से निकाला गया। वे उन नौ श्रमिकों में से थे जो सोमवार को खदान में अचानक पानी भर जाने के बाद खदान के अंदर फंस गए थे। अभी 5 मजदूर और खदान में फंसे हैं, जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन किया जा रहा है। मजदूर की पहचान दीमा हसाउ निवासी लगभग 27 साल के लिगेन मागर के रूप में की गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स पर इस घटना को लेकर एक पोस्ट किया। हिमंत विश्व शर्मा ने इस मामले में बयान दिया है। उमरांग्सू में बचाव प्रयास अटूट संकल्प के साथ जारी हैं। हमारा दिल दुखित लोगों के साथ है, क्योंकि हम इस कठिन समय में आशा और ताकत पर कायम हैं। हिमंत शर्मा ने पहले दावा किया था कि खदान को 12 साल पहले छोड़ दिया गया था और तीन साल पहले तक यह असम खनिज विकास निगम के अधीन था। शर्मा ने कहा कि यह अवैध खदान नहीं बल्कि परित्यक्त खदान थी। उन्होंने ये भी कहा कि मजदूर उस दिन पहली बार कोयला निकालने के लिए खदान में उतरे थे। वहीं एक अधिकारी ने इस घटना को लेकर कहा कि सेना और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में एचएमपीवी का पहला केस, डिब्रूगढ़ में 10 महीने का बच्चा पाया गया संक्रमित

डिब्रूगढ़। असम ने इस सीजन में मानव मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण का पहला मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि 10 महीने के एक बच्चे में मानव मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण पाया गया है, जो इस मौसम में असम में ऐसा पहला मामला है। उन्होंने बताया कि बच्चे का डिब्रूगढ़ स्थित असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएमसीएच) में इलाज चल रहा

है और अब उसकी हालत स्थिर है। एएमसीएच के अधीक्षक डॉ. ध्रुबज्योति भुइयां ने बताया कि बच्चे को चार दिन पहले सर्दी संबंधी लक्षणों के चलते राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल अधीक्षक ने कहा कि लाहोआल स्थित आईसीएमआर-आरएमआरसी से जांच के नतीजे मिलने के बाद कल एचएमपीवी संक्रमण की पुष्टि हुई। भुयान ने कहा कि इन्फ्लूएंजा और फ्लू से संबंधित -शेष पृष्ठ दो पर

कन्नौज में लेंटर गिरने से मलबे में दबे 35 मजदूर

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज रेलवे स्टेशन पर लेंटर गिरने से एक बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में मलबे के नीचे कई मजदूर दब गए। हादसे में तीन की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोगों के मरने की आशंका है। मौके पर पहुंचा पुलिस और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कन्नौज में हुए हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के कामजोंग में भीड़ ने असम राइफल्स के अस्थायी शिविर को नष्ट किया

उखरुल। कामजोंग जिले के कासोम खुल्लेन ब्लॉक के निवासियों ने होंगबेई गांव में असम राइफल्स के अस्थायी शिविर पर धावा बोल दिया और अर्धसैनिक बल के जवानों पर उत्पीड़न और सार्वजनिक उपद्रव पैदा करने का आरोप लगाया। यह घटना कथित तौर पर तब घटित हुई जब क्षेत्र के ग्रामीणों ने कासोम खुल्लेन ब्लॉक से होकर इम्फाल-म्यांमार (बर्मा) सड़क पर

असम राइफल्स द्वारा की जा रही तलाशी और उत्पीड़न के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, टकराव तब शुरू हुआ जब असम राइफल्स ने कथित तौर पर पड़ोसी गांव में घर निर्माण के लिए लकड़ी के परिवहन पर रोक लगा दी। स्थानीय विधायक लीशियो कीशिंग के हस्तक्षेप के बावजूद, -शेष पृष्ठ दो पर

गौरव गोगोई ने पीएम को लिखा पत्र, एसआईटी जांच की मांग की

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने शनिवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर असम में खनन त्रासदी की एसआईटी जांच की मांग की है, जिसमें कोयला खदान में कई मजदूरों की मौत हो गई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 में थोड़ा कमजोर रहने की आशंका : आईएमएफ

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा है कि स्थिर वैश्विक वृद्धि के बावजूद 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के *थोड़ा कमजोर* रहने की आशंका है। जॉर्जीवा ने कहा कि उन्हें इस साल दुनिया में मुख्य रूप से अमेरिका की व्यापार

नीति को लेकर काफी अनिश्चितता नजर आने की संभावना दिख रही है। उन्होंने अपनी वार्षिक मीडिया गोलमेज बैठक में कहा कि वर्ष 2025 में वैश्विक वृद्धि स्थिर रहने की संभावना है लेकिन इसमें क्षेत्रीय भिन्नताएं देखने को मिलेंगी। जॉर्जीवा ने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन से पहले राज्य की निवेश क्षमता का प्रदर्शन किया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा 25 और 26 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन के माध्यम से निवेशकों को राज्य की क्षमता दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर मौजूद रहेंगे। शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में 36 विदेशी गणमान्यों से मुलाकात की और सेमीकंडक्टर उद्योग से लेकर पर्यटन तक के निवेशकों के लिए राज्यों की क्षमता का प्रदर्शन

किया। शर्मा ने राजनयिकों से 24 फरवरी को असम आने का आग्रह किया, ताकि वे 8,000 नर्तकों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले झुमुर नृत्य को देख सकें - एक ऐसा कार्यक्रम जिसमें प्रधानमंत्री मोदी भी मौजूद रहेंगे। असम में निवेशकों को हरित ऊर्जा का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि हम निवेशकों को यह या वह क्षेत्र चुनने के लिए कहने की स्थिति में नहीं हैं। मैं...उन्हें यह चुनने की अनुमति दे रहा हूं कि वे कहां निवेश करें। राजदूतों, आसियान, बिम्सटेक, यूरोपीय और अन्य देशों के उच्चायुक्तों, उद्योग प्रमुखों और अन्य हितधारकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम पिछले 10 वर्षों में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा का घोषणा पत्र आप-दा के घोषणा पत्र जैसा नहीं : शाह

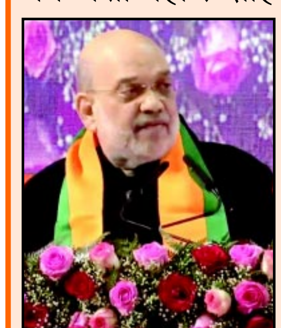

नई दिल्ली (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को पार्टी के *झुग्गी बस्तीवासी* सम्मेलन में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर जमकर बरसे। शाह ने कहा कि भाजपा ने झुग्गी वासियों के दर्द, असुविधा और वादे तोड़ने के खिलाफ गुस्से को सुना है। इन सभी समस्याओं की एक सूची बनाकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गई है। हमारा घोषणा पत्र आपको आपकी सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाएगा। भाजपा का घोषणा पत्र प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है। भाजपा का घोषणा पत्र *आप-दा* के घोषणा पत्र जैसा नहीं है, हम जो कहते हैं वो करते हैं। भाजपा एक-एक झुग्गी वालों को पक्का मकान देगी, ये -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जिन्हें भाग्य पर विश्वास नहीं होता, उनके कार्य पुरे नहीं होते।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

कोलंबिया में विमान दुर्घटना में 10 लोगों की मौत

बोगोटा (हि.स.)। दक्षिणी अमेरिकी देश कोलंबिया में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 10 लोगों की मौत हो गई है। विमानन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। पैसिफिक ट्रैवल द्वारा संचालित यह विमान जुराडो से मेडेलिन के रास्ते में बुधवार को लापता हो गया था। विमान का मलबा -शेष पृष्ठ दो पर

इमारतें खाक, 11 मौतें, अरबों का नुकसान...

कैलिफोर्निया की आग ने अमेरिका को हिलाकर रख दिया

कैलिफोर्निया। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस में लगी आग ने लोगों को सड़क पर रात गुजारने के लिए मजबूर कर दिया है। कई हजार लोगों के घर इस आग में जलकर खाक हो चुके हैं। जिसके कारण वे उन्हें सड़कों और राहत शिविरों में रात गुजारना पड़ रहा है। इस आग के कारण अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 4 दिन से लगी आग लगभग 40 हजार एकड़ में फैली

चुकी है। जिसमें से 29 हजार एकड़ का इलाका पूरी तरह जल चुका है कैलिफोर्निया में जंगलों से लेकर घरों तक बहुत कुछ इस आग में जलकर राख हो गया है। इस आग पर काबू पाने की मशक्कत के रूप में सिर्फ पानी की बौछार का ही एक रास्ता अपनाया गया है, जबकि नुकसान के रूप में कैलिफोर्निया के कई -शेष पृष्ठ दो पर

मुफ्त खाने के लिए मस्जिद में उमड़ी भीड़, भगदड़ में चार की मौत

नई दिल्ली। सीरिया की उमैय्यद मस्जिद में एक धार्मिक आयोजन के दौरान मुफ्त खाना पाने के लिए उमड़ी भारी भीड़ में भगदड़ मच गई, जिसमें 4 महिलाओं की जान चली गई और पांच बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सीरिया की राजधानी दमिश्क में शुक्रवार को एक धार्मिक आयोजन के दौरान मुफ्त खाना पाने के लिए उमड़ी भीड़ में भगदड़ मच गई। इस हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई और पांच बच्चे घायल हो गए। यह घटना -शेष पृष्ठ दो पर

गजब बेइज्जती : 24 घंटे में सात देशों से निकाले गए 258 पाकिस्तानी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के 258 लोगों को सऊदी अरब, (यूएई) और चीन समेत सात देशों से बाहर निकाला गया है। कराची के जिन्ना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक अधिकारी ने बताया कि जिन लोगों को

इन देशों से निकाला गया है उनमें से 14 के पास पाकिस्तानी पासपोर्ट थे। इन सभी को पिछले 24 घंटे में बाहर निकाला गया है। इनमें से 244 के पास इमरजेंसी ट्रेवल डॉक्यूमेंट थे। उन्होंने कहा कि हमने कराची हवाई अड्डे पर 16 निर्वासितों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक की पहचान को संदिग्ध पाया गया। वहीं बाकी लोगों को पूछताछ के बाद रिहा कर -शेष पृष्ठ दो पर

प्रतिष्ठा द्वादशी पर रामलला का हुआ महाभिषेक, फूलों से सजा दरबार

अयोध्या (हि.स.)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन की पहली वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी पर रामलला का अभिषेक और महाआरती का कार्यक्रम शनिवार को सम्पन्न हुआ। रामलला के दरबार को फूलों से सजाया गया है। आज रामलला को दिल्ली से आई सोने-चांदी के तारों से कढ़ाई की गई पीतांबरी को धारण कराया गया। भव्य शृंगार के बाद दोपहर 12:20 बजे भगवान की भव्य आरती हुई। इसके बाद भगवान को 56 व्यंजनों का भोग लगाया गया। प्रतिष्ठा द्वादशी पर शुरू हुआ यह उत्सव लगातार तीन दिन तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

राम हैं तो राष्ट्र है : सीएम योगी

अयोध्या। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ श्री राम जन्मभूमि मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ *प्रतिष्ठा द्वादशी* के अवसर पर श्री राम मंदिर में पूजा की। इसके बाद योगी ने अपने संबोधन में कहा कि राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि आज से एक साल पहले 500 साल का इंतजार खत्म कर राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह -शेष पृष्ठ दो पर

खुलासा : फर्जी भारतीय पासपोर्ट के सहारे विदेश जा रहे बांग्लादेशी घुसपैठिए

कोलकाता। बंगाल में बांग्लादेशी नागरिकों के लिए फर्जी पासपोर्ट बनाने के रैकेट के खुलासे के बाद कोलकाता पुलिस ने अब राज्य में स्थाई पते वाले उन अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) की मौजूदा स्थिति का पता

लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं, जिन पर फर्जी भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल कर विदेश में काम करने का संदेह है। सूत्रों के अनुसार, कोलकाता पुलिस ने इस संबंध में तीन यूरोपीय देशों सहित कई देशों के दूतावासों और उच्चायोगों को आधिकारिक संदेश भेजे हैं, जहां कथित तौर पर ये फर्जी पासपोर्ट धारक कार्यरत हैं। जांच का उद्देश्य उनके मौजूदा ठिकाने और कानूनी स्थिति का पता लगाना है। जांच से पता चलता है कि बंगाल मूल का दावा करने वाले इनमें से कई व्यक्ति अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। उन्होंने कथित तौर पर अवैध तरीके से भारत में प्रवेश किया और विदेश यात्रा करने के लिए पासपोर्ट सहित फर्जी भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ की एक टीम, इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में, पानबाजार थाना क्षेत्र के दो नंबर रेलवे गेट पर छापा मारा और एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया। टीम ने मौके से 13 वायलों में 17.50 ग्राम हेरोइन, नकद राशि और हैंडसेट बरामद किया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव

भाजपा ने जारी की 29 उम्मीदवारों की दूसरी सूची

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार रात 29 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने कपिल मिश्रा को करावल नगर से मैदान में उतारा है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह की ओर से जारी सूची के मुताबिक नरेला विधानसभा सीट से राज करण खत्री, तिमारपुर से सूर्य प्रकाश खत्री, मुंडका से गजेंद्र दराल, किराड़ी से बजरंग शुक्ला, सुल्तानपुर माजरा (अजा) से कर्म सिंह कर्मा, शकूर बस्ती से करनैल सिंह, त्रिनगर से तिलक राम गुप्ता, सदर बाजार से मनोज कुमार जिंदल, चांदनी चौक से सतीश जैन, मटिया महल से दीप्ति इंदौरा, बल्लीमारान से कमल बागड़ी, मोती नगर से हरीश खुराना को टिकट मिला है। इसी तरह मादीपुर (अजा) विधानसभा सीट से उर्मिला कैलाश गंगवाल, हरिनगर से श्याम शर्मा, तिलक नगर से श्वेता सैनी, विकासपुर से पंकज कुमार सिंह, उत्तम नगर से पवन शर्मा, द्वारका से प्रद्युम्न राजपूत, मटियाला से संदीप सहरावत, नजफगढ़ से नीलम पहलवान, पालम से कुलदीप सोलंकी, राजिंदर नगर से उमंग बजाज, कस्तूरबा नगर से नीरज बसोया, तुगलकाबाद से रोहतास बिधूड़ी, ओखला से मनीष चौधरी, कोंडली (अजा) से प्रियंका गौतम, लक्ष्मी नगर से अभय वर्मा, सीलमपुर से अनिल गौड़, करावल नगर से कपिल मिश्रा को टिकट दिया गया है। इसके साथ ही 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा अब तक कुल 58 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है।

माघ बिहू पर उपहार और शुभकामनाओं का आदान प्रदान होता है : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने माघ बिहू के अवसर पर उपहार और शुभकामनाओं के आदान-प्रदान की परंपरा को महत्व देते हुए कहा कि माघ बिहू उपहार और शुभकामनाएं साझा करने का समय है। उन्होंने बताया कि काजीरंगा से लौटते समय मुझे लोगों के प्यार और आशीर्वाद का अनुभव हुआ। मुझे उपहार स्वरूप रंग-बिरंगी वस्तुएं जैसे मछली, पिठा और ताजी सब्जियां मिलीं, जो मुझे बेहद सुखद अनुभव हुई।

गोलाघाट पुलिस ने जब्त किए 20 बैग बर्मीज सुपारी

गोलाघाट (हिंस)। खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, गोलाघाट पुलिस ने मेरापानी थाना क्षेत्र के गोमारी के पास एक ट्रक को रोका। ट्रक के गुप्त चैंबर से 20 बैग बर्मीज (म्यांमार) सुपारी बरामद की गई और उसे जब्त कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि सुपारी तस्करी मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कानून के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन में रोको-टोको और जोड़ो की नीति पर बल

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज तेरापंथ भवन में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष जुगल किशोर अग्रवाल और उपाध्यक्ष अमर दलान की मौजूदगी में मारवाड़ी समाज की बैठक हुई, जिसमें मारवाड़ी समाज को संगठित करने के साथ कुरीति और गलत आचरण पर मारवाड़ी समाज के लोगों को रोककर, टोक कर और फिर संगठन से जोड़ने पर बल दिया। सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष जुगल किशोर अग्रवाल एवं अमर दलान बिहार के सभी शाखा के दौरे पर हैं। इसी कड़ी में फारबिसगंज आगमन हुआ। जहां स्थानीय शाखा के प्रतिनिधियों ने बुके और माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत नीलम बोथरा के द्वारा मंगलाचरण से की गई। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष महेंद्र बैद के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया गया। नगर अध्यक्ष बछराज राखेचा ने अपने द्विवार्षिक कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। मौके पर सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष जुगल किशोर ने ओसवाल, अग्रवाल या माहेश्वरी में परिचय देने के बजाए मारवाड़ी के रूप में परिचय देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी के अंतर्गत ओसवाल, अग्रवाल, माहेश्वरी, नाई, ब्राह्मण सभी आते हैं। हम अल्पसंख्यक हैं, लेकिन एकजुट होकर संगठन की ताकत दिखा सकते हैं। कुरीति और गलत आचरण को लेकर रोको टोको और जोड़ों की नीति अपनाने पर बल दिया। अधिक से अधिक संख्या में विशेष कर महिलाओं और पुरुष वर्ग को आजीवन सदस्यता ग्रहण करने की अपील की।

गणतंत्र दिवस परेड 2025 देखने के लिए राजस्थान के विशेष अतिथियों को आमंत्रित

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में *जनभागीदारी* बढ़ाने के उद्देश्य से 26 जनवरी 2025 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर 76वें गणतंत्र दिवस परेड को देखने के लिए राजस्थान से लगभग 22 विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) जयपुर (राजस्थान) कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार विविध पृष्ठभूमि वाले *स्वर्णिम भारत* के इन वास्तुकारों में विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और सरकार की योजनाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने वाले लोग शामिल हैं जिसमे राजस्थान से विशेष अतिथियों में पीएम यशस्वी योजना के तहत कृतिका चौहान, शिवराज गुर्जर, दक्ष जैन और राहुल दयाल है। कपड़ा और हस्तशिल्प उद्योग से तिलक गिठाई, इन्दर सिंह कुदरत, राजेंद्र कुम्हार, जगदीश राज सोनी, द्वारिका प्रसाद सुथर, अय्यूब अली उस्ता तथा मोहम्मद मुस्लिम जबकि महिला एवं बाल विकास विभाग से चंद्र कांता पारीक, कमला दामोर, इंदिरा कुमारी अहारी, नोकली कुमारी, मनु देवी, जल देवी मीणा, पार्वती लोधी, अभिलाहा गौड़, शशि देवी, रमेशा और बनवारी लाल सिनसिनवार आदि अतिथिगण शामिल हैं। आपदा राहत और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आपदा राहत कार्यकर्ताओं, पानी समिति, जल योद्धाओं, सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों, वन एवं वन्यजीव संरक्षण स्वयंसेवकों को पहली बार आमंत्रित किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

उमरांग्सू खदान से ...

गोताखोर मजदूर को बाहर निकालने के लिए गए तो मगर का शव खदान में जमा पानी पर तैरता हुआ पाया गया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के नेता को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। विभिन्न केंद्रीय और राज्य संगठनों और भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों अंगों - थल सेना, नौसेना और वायु सेना - की कई टीमें असम में बाढ़ वाली खदान में फंसे मजदूरों को बचाने के अभियान में शामिल हैं। बचावकर्मियों ने कहा कि उमरांग्सू में 3 किलो कोयला खदान में जो पानी घुसा, वह अब गंदा हो गया है क्योंकि यह कोयले के साथ मिल गया है। बचावकर्मियों ने आगे कहा कि इसने नौसेना की टीम के लिए भी दृश्यता और गतिशीलता को बहुत कठिन बना दिया है, जिसमें गहरे गोता लगाने और पुनर्प्राप्ति कार्यों में ट्रेनड क्लीयरेंस गोताखोर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बचाव दल के गोताखोरों को शव को बाहर निकालने के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ी, जो उन्होंने बुधवार को किया।

गौरव गोगोई ने ...

कि पूर्वोत्तर राज्य में कमजोर कानून प्रवर्तन और स्थानीय मिलीभगत के कारण अवैध खनन अनियंत्रित जारी है। डिमा हसाउ जिले के उमरांग्सू में एक कोयला खदान में अचानक पानी भर जाने से नौ मजदूर फंस गए। इनमें से अब तक चार मजदूरों के शव बरामद हो चुके हैं। बचाव अभियान छठे दिन में प्रवेश कर गया है, लेकिन डिमा हसाउ में अवैध कोयला खदान में फंसे कोयला खनिकों का भाग्य अनिश्चित बना हुआ है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने कहा कि असम में अवैध खनन अनियंत्रित रूप से जारी है, जो कमजोर कानून प्रवर्तन और स्थानीय मिलीभगत के कारण है। उन्होंने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस त्रासदी की जांच के लिए तत्काल एसआईटी जांच का आग्रह किया है। गोगोई ने प्रधान मंत्री से आग्रह किया कि प्रस्तावित विशेष जांच दल (एसआईटी) को न केवल खदान के अवैध संचालन की जांच करनी चाहिए और इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करनी चाहिए, बल्कि इससे जुड़े व्यापक मुद्दों का भी समाधान करना चाहिए। इसमें रैट-होल खनन पर एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के प्रतिबंध को लागू करने में विफलता, जिला प्रशासन और जिला पुलिस सहित स्थानीय अधिकारियों की मिलीभगत शामिल है। उन्होंने दावा किया कि एसआईटी को इन खदानों में सुरक्षा मानकों और कामकाजी परिस्थितियों की भी जांच करनी चाहिए, जिनकी लगातार अनदेखी की जाती है, जिससे घातक घटनाएं होती हैं। उन्होंने पत्र में आरोप लगाया कि जांच को कार्बी आंग्लांग, डिमा हसाउ और ऊपरी असम में अन्य अवैध खनन स्थलों की पहचान करने और उनका नक्शा तैयार करने के लिए अपने दायरे का विस्तार करना चाहिए, जहां ये गतिविधियां बेरोकटोक जारी हैं।

राज्य में एचएमपीवी...

मामलों में परीक्षण के लिए नमूने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद को भेजे जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक नियमित जांच थी, जिसके दौरान एचएमपीवी संक्रमण का पता चला। बच्चा अब स्थिर है। यह एक सामान्य वायरस है और चिंता की कोई बात नहीं है। आईसीएमआर- क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, एनई, लाहोवाल (डिब्रूगढ़) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विश्वजीत बोरकाकोटी ने कहा कि 2014 से हमने डिब्रूगढ़ जिले में 110 एचएमपीवी मामलों का पता लगाया है। यह इस सीजन का पहला मामला है। हर साल इसका पता चलता है, और कुछ भी नया नहीं है। हमें एएमसीएच से नमूना मिला है और यह एचएमपीवी के लिए सकारात्मक पाया गया है। मानव मेटान्यूमोवायरस कई श्वसन वायरसों में से एक है, जो सभी उम्र के लोगों में संक्रमण पैदा कर सकता है, विशेष रूप से सर्दियों और शुरुआती वसंत के महीनों के दौरान। वायरस का संक्रमण आमतौर पर हल्का और स्व-सीमित स्थिति वाला होता है और ऐसे अधिकांश रोगी अपने आप ठीक हो जाते हैं।

मणिपुर के कामजोंग ...

असम राइफल्स ने सामग्री को ले जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। यह सुनकर, क्षेत्र की महिलाएं असम राइफल्स की कार्रवाई के खिलाफ विरोध करने के लिए गांव में एकत्र हुईं। एक सत्यापित वीडियो में विधायक को एक प्रभारी वन अधिकारी से यह कहते हुए सुना जा सकता है कि यह क्षेत्राधिकार मणिपुर के वन विभाग का है। स्थिति तब और बिगड़ गई जब असम राइफल्स ने कथित तौर पर प्रदर्शनकारी महिलाओं को तितर-बितर करने के लिए गोलियां और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। जवाबी कार्रवाई में भीड़ ने अस्थायी शिविर को नष्ट कर दिया और इलाके से असम राइफल्स के जवानों को हटाने की मांग की। रिपोर्ट लिखे जाने तक विधायक लीशियो कीशिंग कथित तौर पर असम राइफल्स के अधिकारियों के साथ स्थिति से निपटने के लिए चर्चा कर रहे थे। प्रदर्शनकारी भी इलाके से सुरक्षाकर्मियों को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। गौरतलब है कि असम राइफल्स ने हाल ही में लोगों की इच्छा के विरुद्ध गांव में चौकी खोली है। यात्रियों ने अक्सर सुरक्षाकर्मियों द्वारा तलाशी और उत्पीड़न की शिकायत की है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के ...

की सबसे तेजी से बढ़ने प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शुमार भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 में थोड़ा कमजोर होने की आशंका भी जताई। हालांकि, उन्होंने इस बारे में कुछ अधिक नहीं बताया। विश्व अर्थव्यवस्था परिदृश्य पर आने वाली रिपोर्ट में इस बारे में अधिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका हमारी अपेक्षा से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, यूरोपीय संघ (ईयू) कुछ हद तक रुका हुआ है, (और) भारत थोड़ा कमजोर है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ब्राजील कुछ हद तक उच्च मुद्रास्फीति का सामना कर रहा है। जॉर्जीवा ने कहा कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन में मुद्रास्फीति कम होने से पैदा होने वाले दबाव और घरेलू मांग को लेकर जारी चुनौतियों की स्थिति नजर आ रही है। जॉर्जीवा ने कहा कि निम्न आय वाले देश अपने सभी प्रयासों के बावजूद ऐसी स्थिति में हैं, जहां कोई भी नया झटका उन पर काफी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने कहा कि आशंका है कि 2025 में आर्थिक नीतियों के मामले में काफी अनिश्चितता रहेगी। आश्चर्य की बात नहीं है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार और भूमिका को देखते हुए आने वाले प्रशासन के नीतिगत कदमों, खासकर शुल्क, कर, विनियमन एवं सरकारी दक्षता को लेकर वैश्विक स्तर पर गहरी दिलचस्पी है। डोनाल्ड ट्रंप ने चीन, कनाडा और मैक्सिको जैसे देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की योजना की घोषणा की है। वह 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। उन्होंने शुल्क को एक प्रमुख नीति उपकरण के रूप में उपयोग करने की सार्वजनिक रूप से घोषणा की है। जॉर्जीवा ने कहा कि यह अनिश्चितता आगे की व्यापार नीति के रास्ते को लेकर अधिक है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष आने वाली चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। खासकर उन देशों और क्षेत्रों के लिए जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक एकीकृत हैं, मध्यम आकार की अर्थव्यवस्थाएं हैं और एक क्षेत्र के रूप में एशिया के लिए। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह अनिश्चितता वास्तव में वैश्विक स्तर पर उच्च दीर्घकालिक ब्याज दरों के माध्यम से व्यक्त की जाती है, भले ही अल्पकालिक ब्याज दरें कम हो गई हों।

मुख्यमंत्री ने एडवांटेज ...

शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में नई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं आ रही हैं, जिनमें ब्रह्मपुत्र पर तीन नए पुल, सिंगापुर सरकार की मदद से गुवाहाटी के आसपास एक सैटेलाइट शहर और गुवाहाटी से भूटान के गेलेफू तक एक रेलवे लाइन शामिल है। उन्होंने कहा कि असम देश के सबसे मजबूत विकास इंजनों में से एक है, जो 12.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सरकार राज्य में तेजी से औद्योगिकीकरण शुरू करने के लिए 25,000 करोड़ रुपये के उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन के लिए एक कोष बनाएगी। असम रक्षा मंत्रालय के साथ नागांव की ओर गुवाहाटी के आस-पास के क्षेत्रों को रक्षा गलियारा घोषित करने के लिए सक्रिय रूप से चर्चा कर रहा है। इसे एक बड़ी सफलता बनाने के प्रयास में, असम के आईटी तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री केशव महंत के नेतृत्व में एक टीम ने शुक्रवार को थाईलैंड में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन पर एक अंतर्राष्ट्रीय रोड शो का दूसरा चरण आयोजित किया। यह भूटान, मुंबई और नई दिल्ली में सफल रोड शो के बाद आया है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा कि असम प्रतिनिधिमंडल ने थाईलैंड में आतिथ्य और पर्यटन उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ उपयोगी बातचीत की। श्री महंत ने थाईलैंड के विदेश मामलों के उप-मंत्री रुस जलीचंद्र से भी मुलाकात की और असम-थाईलैंड संबंधों को मजबूत करने के अवसरों की खोज की। उन्होंने बैंकॉक में थाईलैंड के पर्यटन और खेल मंत्री के सचिव क्रिस्डा टैंटर्डिट के साथ भी बैठक की। चर्चा असम और थाईलैंड के बीच संभावित सहयोग की खोज पर केंद्रित थी।

इमारतें खाक, 11 ...

बैंक जलकर खाक हो चुके हैं। हॉलीवुड हिल्स में रहने वाले कई बॉलीवुड कलाकारों को अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। इसके अलावा कई एक्टर्स के करोड़ों के घर जलकर खाक हो चुके हैं। सैंटा एना हवा की रफ्तार जितनी तेजी से बढ़ती जा रही है, उतनी ही तेज दिशा भी बदल रही है। इसलिए आग उन क्षेत्रों को लील रही है, जहां बड़ी आबादी रहती है। लॉस एंजेलिस का सनसेट बुलेवार्ड आग की लपटों में घिर गया है। आग का इतना बड़ा रूप लेने का कारण इन हवाओं को ही माना जा रहा है। कैलिफोर्निया की आग से पेरिस हिल्टन, टॉम हैंक्स, स्टीवन स्पिलबर्ग जैसे बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के घर जल गया है। उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस का घर खाली करा लिया गया है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडन का सांता मोनिका पहाड़ से सटे मालिबू आलीशान घर आग में जलकर खाक हो गया। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इटली का दौरा रद्द कर दिया। इस आग ने अमेरिका को बुरी तरह प्रभावित किया है। बीमा कंपनियों को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है, क्योंकि इस क्षेत्र के घरों की कीमत ही 60 लाख डॉलर से 21 करोड़ डॉलर तक है और जानकारी ये है कि अब तक बीमा कंपनियों को 20 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। जिसके 200 अरब डॉलर तक बढ़ने की आशंका है। कैलिफोर्निया में आग से कम से कम 10 हजार इमारत जलकर खाक हो चुकी हैं। अकेले लॉस एंजेलिस के पैलिसेड्स में 5,300 से अधिक इमारतें नष्ट हो गईं। 60 हजार से ज्यादा इमारतों पर अभी खतरा है। अमेरिका में लगी इस आग को बुझाने के लिए हर तरह की कोशिशें की जा रही हैं। इसके साथ ही कई अन्य देश भी इस आग को बुझाने के लिए आगे आ रहे हैं। कनाडा ने अपने सुपर स्कूपर कहे जाने वाले सीएल-415 प्लेन कैलिफोर्निया आग बुझाने के लिए भेजे हैं। सुपर-स्कूपर प्लेन फायर फाइटर प्लेन होते हैं, इनमें से 1500 गैलन तक का पानी स्टोर करने की क्षमता होती है। कैलिफोर्निया में लगी आग का धुंआ अंतरिक्ष से भी नजर आ रहा है। नासा अर्थ ऑब्जर्वेटरी ने इसकी एक तस्वीर भी जारी की है। जिसमें आग का भयाभय रूप दिखाई दे रहा है। हेलिकॉप्टरों और विमानों से आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन तेज हवाओं और उनके दिशा बदलने की वजह से आग अलग-अलग जगहों पर फैल रही है। इलाके में करीब 160 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही है, जिससे आग को कंट्रोल करना मुश्किल होता जा रहा है। लॉस एंजिलिस में आग से कई कम्युनिटी सेंटर्स और धर्मस्थल पूरी तरह जल चुके हैं। इसके साथ ही कई बैंक भी इसकी चपेट में आए हैं। फिलहाल युद्ध स्तर पर इस आग को बुझाने की कोशिश की जा रही है। मंगलवार को लगी ये आग अब तक शांत नहीं हो सकी है।

मुफ्त खाने के ...

उमय्यद मस्जिद में हुई, जहां गरीबों के लिए भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सीरियाई नागरिक सुरक्षा के अनुसार, यह घटना मशहूर शेफ अबू ओमारी अल-डिमाशकी द्वारा आयोजित भोज के दौरान हुई। उन्होंने दमिश्क के ऐतिहासिक उमय्यद मस्जिद में लोगों को मुफ्त खाना देने के लिए आमंत्रित किया था। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आयोजकों द्वारा भीड़ को नियंत्रित करने के उचित उपाय नहीं किए गए, जिसके कारण मस्जिद के प्रांगण और आस-पास के क्षेत्रों में भारी अराजकता फैल गई। सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सड़कों को बंद कर दिया। उमय्यद मस्जिद, जो दमिश्क के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों में से एक मानी जाती है, आमतौर पर इस प्रकार के आयोजनों की मेजबानी करती है। हालांकि, सीरिया में पिछले साल दिसंबर में सरकार के पतन और राजनीतिक अस्थिरता के कारण शहर की सुरक्षा और सार्वजनिक सेवाएं पूरी तरह से व्यवस्थित नहीं हो पाई हैं।

गजब बेइज्जती : 24 ...

दिया गया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब से निर्वासित किए गए नौ लोग पेशेवर भिखारी थे। उन्होंने कहा कि उनमें से दो को बिना परमिट के हज करते हुए पकड़ा गया था। उनकी सजा पूरी करने के बाद उन्हें वापस पाकिस्तान भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब और यूएई से निर्वासित किए गए कई लोग बिना किसी प्लानिंग के ही काम कर रहे थे, जबकि चार को ड्रग के आरोप में निर्वासित किया गया था। चीन, कतर, इंडोनेशिया, साइप्रस और नाइजीरिया से एक-एक व्यक्ति को निर्वासित किया गया। उन्होंने कहा कि निर्वासन की प्रवृत्ति में पहले की तुलना में बढ़त देखी गई है। पिछले 24 घंटों में, संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के इमीग्रेश सेल ने कराची हवाई अड्डे पर 35 यात्रियों को भी उतारा, जो कई देशों की यात्रा कर रहे थे। उमरा वीजा पर सऊदी अरब जाने वाले यात्रियों को अग्रिम होटल बुकिंग की कमी और खर्चों के लिए अपर्याप्त धन के कारण उतार दिया गया। काम के वीजा पर सऊदी अरब जाने वाले यात्रियों के पास सही वर्किंग वीजा डॉक्यूमेंट न होने के कारण उतार दिया गया। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि यात्रियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके पास ऐसी घटनाओं से बचने के लिए पूरे डॉक्यूमेंट और सही वीजा, पहले से कराई गई बुकिंग और ट्रेवल करने के लिए सही वीजा का होना का जरूरी है।

प्रतिष्ठा द्वादशी पर...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रामलला के उत्सव में शामिल हुए। वे महाआरती के बाद सीधे हेलीपैड से राम मंदिर पहुंच कर रामलला के उत्सव में सम्मिलित हुए। आदित्यनाथ ने रामलला के चरणों में शीश झुकाया व रामलला की उतारी आरती। मुख्यमंत्री ने विधिवत दर्शन-पूजन के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से आशीर्वाद लिया। योगी ने साधु-संतों के साथ भोजन प्रसाद भी ग्रहण किया। इसके पहले मुख्यमंत्री के अयोध्या पहुंचने पर महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव आदि जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा नेताओं ने रामकथा पार्क में मुख्यमंत्री का स्वागत किया। प्रतिष्ठा द्वादशी के अवसर पर अयोध्या में सुबह 6 बजे से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। शनिवार पूर्वाह्न 11 बजे से गर्भगृह में रामलला का महाभिषेक शुरू हुआ था। उत्सव में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र सहित डेढ़ सौ से अधिक गणमान्य मंदिर में उपस्थित रहे। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन का एक वर्ष आज 11 जनवरी (पौष शुक्ल-12) को पूरा हो गया। इस अवसर पर तीन दिवसीय उत्सव शुरू हुआ है। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बताया कि तीनों दिन कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

राम हैं तो ...

आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि हर दिन औसतन 1.5 से 2 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। 2014 से पहले अयोध्या में बिजली नहीं थी। योगी ने कहा कि अयोध्या में साफ-सफाई नहीं थी। अयोध्या में कोई एयरपोर्ट नहीं था। लेकिन आज अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। अयोध्या में फोर-लेन और सिक्स-लेन सड़कें बनाई गई हैं। सरयू नदी के घाट देश भर से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम जाति, क्षेत्र, भाषा के आधार पर बंटे रहे तो सबसे पहले इसका खामियाजा धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा। हम सभी को एकजुट रहना चाहिए। एक साल पहले पीएम मोदी ने भी कहा था कि भगवान राम राष्ट्र के प्रतीक हैं। राम हैं तो राष्ट्र हैं, राष्ट्र हैं तो राम हैं। राम मंदिर ट्रस्ट मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए अयोध्या में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करेगा। ये समारोह 11 से 13 जनवरी तक निर्धारित हैं। आम लोगों के साथ-साथ लगभग 110 वीआईपी, जो पिछले साल ऐतिहासिक समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे, उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में *भारत की लोक रानी* मालिनी अवस्थी जैसे प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा; पार्श्व गायिका और राजनीतिज्ञ अनुराधा पौडवाल और कवि कुमार विश्वास सहित अन्य। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, तीन दिवसीय उत्सव के दौरान कई धार्मिक अनुष्ठानों के साथ राम कथा और राम लीला प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर की पहली वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। मोदी ने लिखा कि अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष से बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और अध्यात्म की महान धरोहर है। मुझे विश्वास है कि यह दिव्य-भव्य राम मंदिर विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में एक बड़ी प्रेरणा बनेगा।

खुलासा : फर्जी भारतीय...

पहचान दस्तावेज हासिल किए। यही नहीं, इस घटना के सामने आने के बाद आगे फर्जीवाड़ा को रोकने के लिए कोलकाता पुलिस ने बंगाल के पते से जुड़े फर्जी पासपोर्ट रखने के संदिग्ध पहचाने गए व्यक्तियों के लिए लुकआउट नोटिस भी जारी किए हैं। दरअसल, बंगाल पुलिस ने हाल में मुख्य रूप से उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और नदिया जिलों में संचालित संगठित फर्जी पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। ये जिले बांग्लादेश की सीमा के साथ लगते हैं। अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने पर घुसपैठिए स्थानीय एजेंटों से जुड़ते हैं और जाली भारतीय पहचान पत्र हासिल करने के लिए बड़ी रकम का भुगतान करते हैं। शुरुआत में, उन्हें सीमावर्ती गांवों में सुरक्षित आश्रय प्रदान किया जाता है। पहले चरण में जाली राशन कार्ड प्राप्त करना किया जाता है। इसकी मदद से मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और आधार कार्ड को बनवाया जाता है। इन दस्तावेजों का उपयोग फिर जाली भारतीय पासपोर्ट हासिल करने में किया जाता है। इसी फर्जी भारतीय पासपोर्ट के माध्यम से बांग्लादेश नागरिक विदेशों में शरण लेते हैं। फर्जी पासपोर्ट रैकेट में शामिल कई लोगों को पुलिस ने हाल में बंगाल के विभिन्न जिलों से गिरफ्तार किया है। रैकेट के खुलासे के बाद कोलकाता व बंगाल पुलिस ने पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को भी सख्त करने का निर्देश दिया है।

कोलंबिया में विमान ...

एंटिओक्विया के उत्तर-पश्चिमी कोलंबियाई विभाग के उर्राव के एक ग्रामीण इलाके में मिला। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विमान में चालक दल के दो सदस्य और आठ यात्री सवार थे। एंटिओक्विया के जोखिम प्रबंधन विभाग के निदेशक कार्लोस रियोस पुएर्टा ने कहा कि दुर्भाग्य से विमान में सवार कोई भी जीवित नहीं बचा है। हमारे पास साइट पर 37 कर्मी काम कर रहे हैं। हम दूसरे चरण में तेजी ला रहे हैं, जिसमें शवों को बरामद करना और न्यायिक पुलिस के साथ समन्वय करना शामिल है। मौसम की प्रतिकूल स्थिति की वजह से रिकवरी प्रक्रिया आसान नहीं हो रही। हालांकि कोशिश जारी है कि रिकवरी प्रक्रिया यथासंभव तेज और सकुशल सम्पन्न हो। पैसिफिक ट्रैवल ने बयान जारी कर पीड़ित परिवारों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता दोहराई है। उसने कहा कि हम हर समय उनके साथ रहेंगे, सहायता प्रदान करेंगे और इस दुखद घटना से उत्पन्न होने वाली हर जरूरत को पूरा करेंगे। वहीं, परिवहन मंत्रालय और नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने भी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्राधिकरण ने दुर्घटना के कारणों की जानकारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

भाजपा का घोषणा पत्र...

मोदी की गारंटी है। अमित शाह ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित सम्मेलन में कहा कि 5 फरवरी वह दिन है जब दिल्लीवालों को आप-दा से मुक्ति मिलेगी। जिन लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चलाया, उन्होंने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। आम आदमी पार्टी दिल्ली के लिए *आप-दा* बन गई है लेकिन केजरीवाल आम आदमी पार्टी के लिए आप-दा बन गए हैं। दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले लोगों को गंदा पानी मिल रहा है। झुग्गियों में रहने वाले लोग हमसे पूछ रहे हैं कि दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर क्यों है। केजरीवाल को आड़े हाथों लेते हुए शाह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में क्या किया है? केजरीवाल अगर आप कुछ नहीं कर पा रहे हैं तो आपको सरकार छोड़ देनी चाहिए, सारा फायदा भाजपा देगी। केजरीवाल अकेले ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने जेल जाने के बाद भी इस्तीफा नहीं दिया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, वो करते हैं। हमने वादा किया कि अयोध्या में राम मंदिर बनाएंगे, हमने प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनवाया। हमने कहा था कि अनुच्छेद 370 हटाएंगे, जिसे समाप्त भी कर दिया। एक-एक झुग्गी वालों को पक्का मकान देने का काम भाजपा करेगी। ये मोदी की गारंटी है। हमने 10 साल में गरीब कल्याण के सारे काम जमीन पर उतारे। 80 करोड़ गरीबों को 5 किलो मुफ्त अनाज देने का काम किया। साढ़े 3 करोड़ गरीबों को घर दिया। 10 करोड़ से ज्यादा गरीबों को गैस का सिलेंडर दिया। इसी तरह बिजली और शौचालय भी हर गरीब के घर देने का काम किया और आम आदमी पार्टी ने तो गरीबों के घर की जगह अपना शीश महल बनवाने का काम किया। उन्होंने दिल्ली वालों को भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार बनने के बाद एक भी गरीब कल्याण की योजनाएं बंद नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के झूठे झांसे में नहीं आना है। झूठ, फरेब, धोखा और वादा-खिलाफी... ये चारों केजरीवाल के गुण हैं और आप-दा इन्होंने दिल्ली की जनता को भेजी है। अमित शाह ने दिल्ली प्रदेश भाजपा को हृदय से बधाई देते हुए कहा कि *झुग्गी बस्ती संवाद अभियान* के माध्यम से पूरे देश में पार्टी ने एक अनोखा इतिहास रचा है। 26 सप्ताह तक दिल्ली की हर झुग्गी बस्ती में जाकर लोगों के दर्द, पीड़ा, असुविधाओं और वादाखिलाफी से उपजे गुस्से और हताशा को सुनने का काम किया है।

कन्नौज में लेंटर...

राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। यह हादसा कन्नौज रेलवे स्टेशन पर चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान हुआ। यहां स्टेशन के दो मंजिल पर निर्माणाधीन लेंटर अचानक गिर गया। हादसे में 35 मजदूरों के दबे होने की आशंका है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

विकसित भारत समाचार

तापमान
अधिकतम 25⁰ न्यूनतम 13⁰

गुवाहाटी/आसपास

3

रविवार, 12 जनवरी, 2025

इंसानों को बकरा बना रात को संभोग करती हैं असम की लड़कियां

इंफ्लूएंसर अभिषेक कर पर एफआईआर, हाथ जोड़कर मांगी माफी

गुवाहाटी। सोशल मीडिया इंफ्यूएंसर अभिषेक कर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो उनके एक पॉडकास्ट का है, जिसे रिया उपरेती नाम के यूट्यूब संचालिका ने लिया। इस वीडियो में अभिषेक कर कह रहे हैं कि असम के कई गांव ऐसे हैं, जहां लड़कियां युवकों को अपने जादू से बकरी या दूसरे जानवर बनाकर ले जाती हैं और वापस इंसान बनाकर संभोग करती हैं। इस वीडियो पर घमासान शुरू हो गया है। सीएम ने अभिषेक और रिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं, जिसके बाद अभिषेक ने एक वीडियो जारी कर माफी मांगी है। अभिषेक कर एक लोकप्रिय फिनैंशियल इंफ्युएंसर हैं। वह अक्सर विभिन्न पॉडकास्ट पर निवेश और स्टार्टअप से संबंधित विषयों के बारे में बोलते हैं। अभिषेक कर के इंस्टाग्राम पर लगभग 3 मिलियन फॉलोअर्स

हैं। अभिषेक ने रिया उप्रेती नामक एक यूट्यूब चैनल के साथ पॉडकास्ट किया। वीडियो इसी पॉडकास्ट का है। इसमें अभिषेक असम के इतिहास और परंपराओं पर अस्वीकार्य टिप्पणी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, *असम में एक गांव है, जहां लड़कियों को आज भी वह सिद्धि है कि वे लड़कों को अपनी तंत्र विद्याओं से बकरी या दूसरे जानवर बना देती हैं। वे उन्हें ले जाकर रात को वापस इंसान बनाते हैं और उनके साथ संभोग करती हैं।* इस वीडियो को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पुलिस को कार्रवाई के आदेश दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से कहा गया कि गलत सूचना फैलाने के लिए उक्त व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कुछ ही घंटों के भीतर अभिषेक कर ने एक और वीडियो जारी किया और इस मामले में माफी मांगी। अभिषेक कर ने सीएमओ की पोस्ट के नीचे अपनी वीडियो माफी पोस्ट की और कहा कि उन्होंने पॉडकास्टर से उस विशेष क्लिप को हटाने के लिए कहा था जिसने लोगों को नाराज किया है। उन्होंने ट्वीट किया, लोगों, असम के मुखअयमंत्री, पुलिस अफसर और हर संबंधित पक्ष से माफी मांगता हूं, जो आहत हुए हैं। इसका उद्देश्य किसी को चोट पहुंचाना नहीं था। आगे भी इस बात को ध्यान में रखा जाएगा कि ऐसी घटनाएं फिर से न हों। वीडियो में अभिषेक कर हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया, न ही मैं अराजकता पैदा करना चाहता था। लेकिन यह इस तरह से होगा नहीं पता था। अगर किसी को चोट लगी है तो मैं माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि वह सार्वजनिक मंचों पर बोलने से पहले डेटा के द्वितीयक स्रोतों पर निर्भर रहते हुए अधिक सावधान रहेंगे।

सितंबर 2025 में न्यूयॉर्क में होने वाली मिस इंडिया वर्ल्डवाइड प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार असम की अनुराधा रॉय

गुवाहाटी। गुवाहाटी की रहने वाली अनुराधा रॉय ने हाल ही में मिस इंडिया पोलैंड 2024 का पहला खिताब जीता है। यह सौंदर्य प्रतियोगिता पोलैंड में रहने वाले भारतीयों के लिए इंडिया पोलैंड महिला संघ और रजवी इवेंट्स द्वारा आयोजित की गई थी। पोलैंड के वारसॉ में आयोजित इसी प्रतियोगिता में उन्हें मिस फोटोजेनिक का खिताब भी मिला है। 27 वर्षीया ने स्क्रीनिंग चरण में 400 से अधिक प्रतियोगियों को मात दी, जिनमें से 16 फाइनल राउंड में पहुंचीं। आज गुवाहाटी प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि अब वह सितंबर 2025 में न्यूयॉर्क में होने वाली मिस इंडिया वर्ल्ड वाइड प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार हैं। अनुराधा रॉय ने अपनी माध्यमिक शिक्षा गुवाहाटी के खानपारा केंद्रीय विद्यालय से और हायर सेकेंडरी ह्यूमैनिटीज की पढ़ाई आर्मी पब्लिक स्कूल नारंगी से पूरी की। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में ऑनर्स के साथ स्नातक की डिग्री

हासिल की और क्लिनिकल साइकोलॉजी और क्रिमिनोलॉजी में दो मास्टर डिग्री हासिल की हैं। गुवाहाटी में पली-बढ़ी होने के बावजूद उन्हें नृत्य, संगीत का शौक था और सौंदर्य प्रतियोगिता में उनका बहुत मन लगता था। भरतनाट्यम में भी उनकी विशारद है। स्कूल के दिनों से ही वह स्कूल और प्रतियोगिताओं में विभिन्न सौंदर्य कार्यक्रमों में भाग लेती थीं और कई पुरस्कार जीत चुकी थीं। वह असम की गौरवशाली संस्कृति, पर्यटन और असमिया मेखला सदोर को वैश्विक मंच पर स्थापित करना चाहती हैं। 2021 में अनुराधा को आगे की पढ़ाई के लिए पोलिश सरकार से छात्रवृत्ति मिली। वह वर्तमान में पोलैंड में सीनियर टेक्निकल रिक्रूटर के रूप में काम कर रही हैं और साथ ही एक मनोवैज्ञानिक के रूप में भी काम करती हैं।

कलियाबर में सड़क दुर्घटना तीन मजदूरों की मौत, 15 गंभीर रूप से घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कलियाबर के आमनी क्षेत्र में शुक्रवार रात सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मजदूरों को ले जा रहे वाहन की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप वैन पर सवार 15 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को कलियाबर उपमंडल सिविल अस्पताल, सामगुरी, और तेजपुर रेफर किया गया। घटनाक्रम के अनुसार, पिकअप वैन में सवार 18 मजदूर निर्माण कार्य के बाद नगांव लौट रहे थे। उसी समय, पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने वैन को टक्कर मार दी, जिससे वैन सड़क के किनारे पलट गई। हादसे में जियारुल इस्लाम, असमद अली और किबिया आलम की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सभी मजदूर सामगुरी के मोवामारी क्षेत्र के रहने वाले थे। इस दुर्घटना से मोवामारी क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है।

पूसीरे ने बीते दिसंबर माह में 0.878 एमटी माल लोडिंग की

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) अपने ग्राहकों की सेवा और आवश्यक वस्तुएं अंतिम उपयोगकर्ताओं तक समय पर पहुंचाने की सुनिश्चितता के लिए 24 घंटे अथक प्रयास कर रही है। पूसीरे ने माल लोडिंग में निरंतर प्रगति करते हुए दिसंबर 2024 में 0.878 मिलियन टन (एमटी) माल लोडिंग दर्ज की। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि दिसंबर 2024 में कुछ वस्तुओं की लोडिंग ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। उक्त महीने के दौरान, पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में सीमेंट लोडिंग में 233.3 प्रतिशत, पीओएल लोडिंग में 3.7 प्रतिशत और कंटेनर लोडिंग में 66.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी अवधि के दौरान अन्य सामग्रियों के श्रेणी में स्टोन चिप्स की लोडिंग में भी पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में

9.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पूसीरे के महत्वपूर्ण सेक्शनों पर दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्यों के तेजी से निष्पादन के कारण माल परिवहन की आवक और जावक गतिविधियों में वृद्धि हुई है। लोडिंग की यह अभूतपूर्व उपलब्धि, क्षमता बढ़ाने के लिए एक साथ किए गए प्रयासों से संभव हुई है। माल लोडिंग में यह निरंतर वृद्धि क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधि को दर्शाती है।

गुवाहाटी में युवती का शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर में एक बार फिर युवती का शव बरामद किया गया है। शुक्रवार रात रुक्मिणी गांव में एक किराए के मकान से बिप्लवी नाथ नामक युवती का शव बरामद हुआ। बताया गया कि बिप्लवी नाथ ने करीब डेढ़ महीने पहले रुक्मिणी गांव के हाउस नंबर 8 में किराए पर कमरा लिया था। मृतका का घर ग्वालपाड़ा जिले में बताया जा रहा है और वह गुवाहाटी के एक व्यावसायिक संस्थान में काम करती थी। तीन दिनों से परिवार के लोग उससे संपर्क नहीं कर पा रहे थे। वहीं, मकान मालिक ने भी दो दिनों से उसे नहीं देखा था। शुक्रवार को कमरे से दुर्गंध आने पर मामला सामने आया। गौरतलब है कि गुवाहाटी में एक हफ्ते के भीतर यह तीसरी घटना है, जिसमें किसी युवती का शव बरामद हुआ है। इससे पहले, गुरुवार को तिनसुकिया की एक युवती का शव तरुण नगर स्थित किराए के मकान से बरामद किया गया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।

गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर होजाई जिला प्रशासन की अहम बैठक

होजाई (निसं)। 76वां गणतंत्र दिवस के आयोजन की तैयारी हेतु 9 जनवरी 2025 बृहस्पतिवार को होजाई जिला के श्रीमंत शंकरदेव नगर स्थित जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में जिला आयुक्त विद्युत विकास भगवती की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए विचार विमर्श के साथ-साथ संबंधित सभी विभागों को उनकी जिम्मेदारियां से अवगत कराया गया। सभा में 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और उनके सुचारू क्रियान्वयन पर व्यापक रूप से चर्चा की गई। जिला आयुक्त विद्युत विकास भगवती ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे संविधान और लोकतंत्र के प्रति हमारे सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों से कहा कि वे सभी अपनी जिम्मेदारियां को समर्पण और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ निभाएं ताकि गणतंत्र दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक हो सके। गणतंत्र दिवस के साथ संगति रखते हुए विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच निबंध प्रतियोगिता, कचहरी मैदान में केंद्रीय आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम, समान समारोह, विभिन्न विभाग द्वारा विकास मुल्क योजना के प्रतीक पद प्रदर्शन कार्यक्रम सहीत कई कार्यक्रमों के आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गई। सभा में जिला परिषद के अधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त जिला आयुक्त, सभी चक्रस्व अधिकारी, पौर सभा के कार्यकारी अधिकारी सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान सभा में जिला में सड़क दुर्घटना के रोकथाम और हेलमेट परिधान करने के संपर्क पर पद सुरक्षा व सजकता शीर्षक मुख्यमंत्री की एक वार्ता वीडियो क्लिप प्रोजेक्टर के द्वारा दिखाई गई।

पशुधन और पक्षी मेले के दूसरे दिन भारी भीड़, आकर्षक प्रदर्शन बने केंद्र बिंदु

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित फार्म गेट खेल मैदान में चल रहे पशुधन और पक्षी मेले के दूसरे दिन भारी भीड़ देखी गई। मेले में पूर्वोत्तर के विभिन्न हिस्सों से आए स्टॉल में गाय, भैंस, बकरियां, बत्तख, मुर्गियां, टर्की, तोता, इमू, गिनी फाउल, बटेर, और अन्य पक्षियों की प्रजातियां प्रदर्शित की गईं, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनीं। इसके अलावा, बोरा चावल, जोहा चावल, चिड़वा, मुढ़ी, गुड़, दही, क्रीम, अंडे, मांस और सब्जियों जैसे स्थानीय खाद्य पदार्थों की बिक्री के साथ-साथ कृषि और पशुपालन के लिए उपयोग किए जाने वाले आधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन भी किया गया। आज मेले में पशुपालकों, उद्यमियों, और बैंक अधिकारियों के बीच ऋण और सब्सिडी पर एक चर्चा आयोजित की गई, जिसमें कई बैंक और वित्तीय संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने ऋण से संबंधित जानकारी दी और पशुपालकों को इसका लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। मेले के अवसर पर राज्य के सफल उद्यमियों के साथ एक संवाद सत्र और छात्रों के बीच एक चित्रांकन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। असम पशुधन और पोल्ट्री निगम के अध्यक्ष मनोज सैकिया ने कहा कि 12 जनवरी को मेले के अंतिम दिन और अधिक दर्शकों के आने की उम्मीद है। अंतिम दिन सुबह 10 बजे से कुत्तों और बिल्लियों की प्रदर्शनी प्रतियोगिता होगी और शाम को समापन समारोह में राज्य के सफल पशुपालकों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस समारोह में असम के राज्यपाल सहित कई सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल होंगी।

श्री गौहाटी गौशाला की कार्यकारिणी समिति की द्वितीय बैठक संपन्न

गुवाहाटी। श्री गौहाटी गौशाला परिसर में आयोजित सत्र 2025-27 कार्यकारिणी समिति की द्वितीय बैठक अध्यक्ष श्री रमेश गोयनका के सभापतित्व में सम्पन्न हुई। जिनमें गौशाला कार्य समिति ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए आगामी दिनांक 23 फरवरी 2025 को श्री गौहाटी गौशाला के स्थापना दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित करने का मानस बनाया। कार्यकारिणी में राम अवतार भरतिया, बसंत मित्तल, ऋषि गुप्ता एवं दीपक मित्तल को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। राम अवतार भरतिया को उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत करते हुए अध्यक्ष ने अपनी टीम का विस्तार किया। श्री गौहाटी गौशाला के वृहद कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विभिन्न उप समितियों का निर्धारण करते हुए कार्यकारिणी तथा योग्य कर्मठ सदस्यों को कार्य संचालित करने का दायित्व सौंपा गया। इसके अलावा गौ संवर्द्धना तथा विकासोन्मुखी विषयों पर विमर्श हुआ। ट्रस्टी चेयरमैन श्री कैलाश लोहिया ने नस् मनोनीत किए गए सदस्यों का फुलाम गोमोछा से अभिनंदन स्वागत करते हुए, सभी से रचनात्मक सहयोग की कामना की। मंत्री श्री रामस्वरूप जोशी ने सभासदों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

रंगिया के ऐतिहासिक *आरिमत्तो गढ़* के संरक्षण को लेकर विशेष बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया सम-जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी की अध्यक्षता में शुक्रवार को सम-जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में रंगिया के ऐतिहासिक *आरिमत्तो गढ़* के संरक्षण को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित की गई। दोपहर 2 बजे से आयोजित हुई इस बैठक में सम-जिला के अंतर्गत तोरोनी, तुलसीबाड़ी, कोरारा गढ़भीतर, बालागांव और पश्चिम सितारा अंचल तक विस्तृत इस ऐतिहासिक आरिमत्तो गढ़ को संरक्षित करने के विभिन्न उपायों के साथ इसपर समय-समय पर होने वाले अवैध खनन की रोकथाम और अन्य गतिविधियों से इसके बचाव पर चर्चा की गई। बैठक में रंगिया चक्र अधिकारी देवाशीष बरठाकुर, सहायक आयुक्त कृतांजलि कश्यप, सहायक आयुक्त तथा महकमा के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी प्रभारी वाहीदुज जामान, संबंधित लाट मंडल, ग्राम प्रधान, आंगनबाड़ी कर्मी और विभिन्न सामाजिक संस्थानों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सहित उक्त अंचल के मंदिर तथा मस्जिद संचालन समिति के पदाधिकारी और उक्त अंचल के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति ने मनाया विश्व हिंदी दिवस

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिले के साथ राज्य में हिंदी भाषा के साहित्य चर्चा तथा प्रचार- प्रसार के क्षेत्र में स्थापना काल से विविध उपलब्धियां अर्जित करने वाले संस्थान विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति ने विश्वनाथ चारिआलि शहर में स्थित शांति निवास सभागार में शुक्रवार को विश्व हिंदी दिवस समारोह तथा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उद्घाटन सत्र का आयोजन अपराह्न 3 बजे किया। जिसमें सचिव संतोष कुमार महतो द्वारा संचालित सभा की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने की। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार हरि लुइटेल, विशिष्ट अतिथि क्रमशः वरिष्ठ संस्कृत विद्वान लोकनाथ शास्त्री, विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के गीता वर्मा द्वारा मां शारदा के फोटो के समीप दीप प्रज्ज्वलित और विशिष्ट अतिथि लोकनाथ शास्त्री के दीप ज्योति श्लोकोच्चारण से हुआ। इसके बाद शिक्षिका व कवयित्री सैयदा आनोवारा खातून ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। जिसके बाद वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके बाद सभाध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, मुख्य अतिथि हरि लुइटेल, विशिष्ट अतिथि लोकनाथ शास्त्री और विशिष्ट अतिथि गीता वर्मा को फुलाम गामोछा तथा अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा की उद्देश्य व्याख्या करते हुए सर्वप्रथम सभी हिंदी प्रेमी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं व बंधाईयां दी। मुख्य अतिथि हरि लुइटेल ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्व हिंद दिवस तात्पर्य के ऊपर सारगर्भित व्याख्या दी और असमिया-हिंदी तथा हिंदी-असमिया साहित्य अनुवाद करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किए। विशिष्ट अतिथि लोकसभा शास्त्री और गीता वर्मा ने वैश्विक स्तर पर हिंदी के विकास और स्थानीय भाषा के साथ हिंदी को लेकर आगे बढ़ने पर व्याख्यान दी। इस सत्र के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी के प्रति आभार जताते हुए, संस्थान द्वारा विगत 9 वर्षों में हिंदी भाषा व साहित्य के विकास में किए गए कार्य की जानकारी दी और वैश्विक स्तर पर हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डालते। तत्पश्चात उद्घाटन सत्र के समापन के बाद कवि सम्मेलन सत्र का शुभारंभ होता है जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार हरि लुइटेल ने किया। कवि सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में वरिष्ठ संस्कृत विद्वान लोकनाथ शास्त्री, विश्वनाथ महाविद्यालय के अध्यापिका गीता वर्मा और

संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता मौजूद रहते हैं। विश्वनाथ के जाने-माने लेखिका व कवयित्री मनीषा पाल ने *भाषा जननी हिंदी*, शिक्षक सुरेंद्र कुमार सहनी ने *शांति और सुकून की धाम*, वरिष्ठ शिक्षक चित्र प्रसाद पौड्याल ने *आरोहण*, शिक्षक सुजीत कुमार शर्मा ने *प्रकृति का रौद्र रूप*, कवयित्री तथाअध्यापिका व गजलकार सैयदा आनोवारा खातून ने *क्या है यह मन*, शिक्षिका रुकशद परवीन अहमद ने *मेरा ससुराल मेरा मायका*, हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो ने *प्यार के भूखे* और अंत में कवि सम्मेलन के विशेषज्ञ लोकनाथ शास्त्री ने संस्कृत में एक वृक्ष शत पुत्रः कविता का पाठ किया। सभी कवि-कवयित्री को असम के पारंपरिक अंगवस्त्र अरनाई और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में कवियों ने स्वरचित कविता पाठ कर श्रोताओं की वाहवाही लूटते हुए चार चांद लगा दी। विशिष्ट लोकनाथ शास्त्री ने सभी कविताओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए सभी की कविता में अंतर्निहित भावना को व्यक्त की और सभी की कविता एक से बढ़कर कहकर सराहना की। अध्यापिका गीता वर्मा ने भी सभी कवियों को काव्य लिखने की शैली-भाषा पर प्रोत्साहित करते हुए कहा आगे भी आपलोग गंभीर विषय पर कविता लिखें। संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार ने कविता पाठ करने को बधाई देते हुए कहा कि हिंदी राष्ट्रीयता के लेकर आगे बढ़ती है और हिंदी में रचना लिखना राष्ट्रीयता काम है। अंत में कवि सम्मेलन के अध्यक्ष हरि लुइटेल ने कवियों की स्वरचित कविता की वाहवाही की और पाठ करने वाले सभी कवियों के कविता के मुख्य बिंदु पर प्रकाश डाले और हिंदीतर भाषी क्षेत्र विश्वनाथ में हो रहे हिंदी भाषा व साहित्य की कार्य की सराहना की। अंत में संस्थान के सचिव धन्यवाद ज्ञापन में सभी के प्रति आभार जताते हुए सभी महानुभावों से विनम्र निवेदन है कि आप हमारे कार्यक्रम में उपस्थित सभी होकर व संस्थान का भागीदार बनकर हिंदी भाषा के उत्थान में सहाय-सहयोग प्रदान करें। इस कार्यक्रम में संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, सहायक सचिव सुरेंद्र कुमार सहनी, साहित्य सचिव मदन गोपाल साहू, कोषाध्यक्ष बजरंग रौनियार, सह सांस्कृतिक सचिव मनीषा पाल, सलाहकार नागेश कुमार गुप्ता, सुधन साहनी, सदस्य वंदना दास, कल्पना पाल, कल्याण आश्रम असम के विश्वनाथ जिला के संगठन मंत्री सोमनाथ भगत आदि मौजूद रहते हैं। इस गरिमामय सभा का समापन राष्ट्रगान होता है।

संपादकीय

'इंडिया' का वजूद

कमोबेश अब यह मान लेना चाहिए कि विपक्ष का 'इंडिया' गठबंधन खत्म हो चुका है अथवा खत्म होने के कगार पर है। कुछ अवशेष बचे हैं, अलबत्ता ताश के पत्तों की तरह बिखर तो चुका है। लोकतंत्र के लिए यह सुखद खबर नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का मानना है कि गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही था, लिहाजा अब उसका कोई अस्तित्व नहीं है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि यदि 'इंडिया' गठबंधन संसदीय चुनाव तक ही था, तो अब उसे खत्म कर देना चाहिए और सभी क्षेत्रीय दल अपने-अपने राज्यों में अलग-अलग काम करें। लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस के ही अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला 'इंडिया' को लोकसभा चुनाव तक ही सीमित नहीं मानते। उनका मानना है कि यह गठबंधन नफरती, तानाशाही किस्म की सियासत के खिलाफ बनाया गया था और लोकसभा चुनाव में कामयाब भी रहा, लिहाजा कोई भी गठबंधन हो, वह हरेक चुनाव और हरेक क्षण के लिए होता है। 'इंडिया' का विश्लेषण इसलिए प्रासंगिक है, क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) ने केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) को समर्थन देने की घोषणा की है। अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे 'आप' का मंच साझा कर उसके पक्ष में चुनाव-प्रचार भी करेंगे, हालांकि दिल्ली में इन राजनीतिक दलों का जनाधार 'नगण्य' है, लेकिन चुनाव के दौरान 'हवा' तो बनती है। सपा, तृणमूल और शिवसेना (उद्धव) 'इंडिया' के प्रमुख घटक दल हैं और लोकसभा में इनके 75 सांसद हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव भी गठबंधन को लोकसभा चुनाव तक ही सीमित मान रहे हैं। बिहार में इसी साल अक्तूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। क्या राजद-कांग्रेस-वामदल का कथित महागठबंधन एक साथ चुनाव में नहीं उतरेगा? क्या 2029 के संसदीय चुनाव तक 'इंडिया' यूं ही बिखरा हुआ रहेगा और कांग्रेस अकेली-थकेली पड़ जाएगी? दरअसल 'इंडिया' कभी भी विपक्ष का लामबंद गठबंधन नहीं बन पाया। उसका न तो कोई सचिवालय है, न कोई समन्वय समिति है और न ही साझा न्यूनतम कार्यक्रम है। यदि ऐसी ही स्थिति रहनी है, तो फिर उसे खत्म करने में क्या दिक्कत है? गठबंधन पहले भी टूटते रहे हैं, खत्म होते रहे हैं। फिर गठबंधन बनते रहे हैं, क्योंकि यही गठबंधनों की नियति है। लोकसभा चुनाव की ही बात करें, तो कांग्रेस ने तृणमूल और केरल के वाम मोर्चा के खिलाफ चुनाव लड़े। पंजाब में कांग्रेस-आप एक-दूसरे के लिए गंभीर चुनौती बने रहे, हालांकि दिल्ली में गठबंधन जरूर था, लेकिन भितरघात भी थे। यदि लोकसभा चुनाव के बाद का परिदृश्य देखा जाए, तो हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और 'आप' एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी थे, नतीजतन कांग्रेस बहुत थोड़े अंतर के साथ सत्ता की लड़ाई हार गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद) ने 'महाविकास अघाड़ी' गठबंधन में चुनाव लड़ा, लेकिन अंदरूनी तनाव, विरोधाभास, बेमेल समन्वय इतने रहे कि अघाड़ी चारों खाने चित्त हो गया। अब खबरें हैं कि मुंबई नगर निगम के चुनाव शिवसेना (उद्धव) अकेले ही लडने की तैयारियां कर रही है। महाराष्ट्र के ही पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि दिल्ली में 'आप' ही चुनाव जीतेगी। कांग्रेस को 'आप' के साथ गठबंधन रखने की कोशिश करनी चाहिए थी। 'इंडिया' के प्रमुख दलों में तमिलनाडु का द्रमुक और झारखंड का झामुमो भी हैं। झारखंड में हाल ही में चुनाव सम्पन्न हुए हैं। अगले साल पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सरीखे बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। घटक दल कांग्रेस को छोडने और झटकने की मुद्रा में हैं। क्षेत्रीय दल कांग्रेस के ही वोट बैंक पर पनपे और ताकतवर हुए हैं। अब एकमात्र संभावना बची है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी दल फिर गठबंधन बना सकते हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का मानना है कि गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही था, लिहाजा अब उसका कोई अस्तित्व नहीं है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि यदि 'इंडिया' गठबंधन संसदीय चुनाव तक ही था, तो अब उसे खत्म कर देना चाहिए और सभी क्षेत्रीय दल अपने-अपने राज्यों में अलग-अलग काम करें। लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस के ही अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला 'इंडिया' को लोकसभा चुनाव तक ही सीमित नहीं मानते। उनका मानना है कि यह गठबंधन नफरती, तानाशाही किस्म की सियासत के खिलाफ बनाया गया था और लोकसभा चुनाव में कामयाब भी रहा, लिहाजा कोई भी गठबंधन हो, वह हरेक चुनाव और हरेक क्षण के लिए होता है। 'इंडिया' का विश्लेषण इसलिए प्रासंगिक है, क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) ने केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) को समर्थन देने की घोषणा की है।

दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन के लिये अभिशाप है और सरकारों पर एक बदनुमा दाग एवं कलंक है

इंसानों की तस्करी की त्रासदी वाला समाज कब तक?

ललित गर्ग

मानव तस्करी लाखों लोगों की आज़ादी और सम्मान को छीनता है, समाज को अनगिनत नुकसान पहुँचाता है, कानून और सुशासन को कमज़ोर करता है और अपराध को बढ़ावा देता है। मानव तस्करी में बल, धोखाधड़ी या जबरदस्ती के इस्तेमाल के ज़रिए शोषण एवं उत्पीड़न शामिल है। मानव तस्करी कई रूपों में हो सकती है जिसमें यौन तस्करी, बाल यौन तस्करी, जबरन मज़दूरी, ऋण बंधन, जबरन बाल मज़दूरी, घरेलू दासता और बाल सैनिकों की अवैध भर्ती और उपयोग शामिल है। यह पुरुषों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और बच्चों को सीमाओं के पार और देश के अंदर दोनों जगह प्रभावित करता है। मानव तस्करी के खिलाफ़ कानून और नीतियां बनाने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रयास किए जाने अपेक्षित है।

मानव तस्करी और आधुनिक दासता के खिलाफ़ जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। यह दिवस एक ऐसे वैश्विक अपराध, त्रासदी एवं अभिशाप की ओर ध्यान आकर्षित करता है जो दुनियाभर में मानव जीवन, परिवारों और समुदायों को डरावनी, खौफनाक एवं त्रासद अंधेरी दुनिया में धकेलता है। मानव तस्करी लाखों लोगों की आज़ादी और सम्मान को छीनता है, समाज को अनगिनत नुकसान पहुँचाता है, कानून और सुशासन को कमज़ोर करता है और अपराध को बढ़ावा देता है। मानव तस्करी में बल, धोखाधड़ी या जबरदस्ती के इस्तेमाल के ज़रिए शोषण एवं उत्पीड़न शामिल है। मानव तस्करी कई रूपों में हो सकती है जिसमें यौन तस्करी, बाल यौन तस्करी, जबरन मज़दूरी, ऋण बंधन, जबरन बाल मज़दूरी, घरेलू दासता और बाल सैनिकों की अवैध भर्ती और उपयोग शामिल है। यह पुरुषों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और बच्चों को सीमाओं के पार और देश के अंदर दोनों जगह प्रभावित करता है। मानव तस्करी के खिलाफ़ कानून और नीतियां बनाने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रयास किए जाने अपेक्षित है। वैश्विक स्तर पर, मानव तस्करी के शिकार पाँच व्यक्तियों में से एक बच्चा हैं हालांकि अफ्रीका और ग्रेटर मेकांग जैसे गरीब क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों में, तस्करी के शिकार लोगों में से अधिकांश बच्चे ही हैं। इस बीच, दुनिया भर में मानव तस्करी के शिकार लोगों में से दो तिहाई महिलाएँ हैं। मानव तस्करी एक वैश्विक समस्या है और दुनिया के सबसे शर्मनाक अपराधों में से एक है, जो दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन के लिये अभिशाप है और सरकारों पर एक बदनुमा दाग एवं कलंक है। मानव तस्कर दुनिया के सभी कोनों से महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को धोखा देते हैं और उन्हें हर दिन शोषणकारी अंधेरी परिस्थितियों एवं दुनिया में धकेलते हैं। जबकि मानव तस्करी का सबसे वीभत्स रूप यौन शोषण है, हज़ारों पीड़ितों को जबरन श्रम, घरेलू दासता, बाल मजदूरी एवं भीख मांगने के लिये मजबूर किया जाता है और ऐसे पीड़ितों के अंगों को निकालने के उद्देश्य से भी तस्करी की जाती है। अंतरराष्ट्रीय एनजीओ शोध के अनुसार, पापुआ न्यू गिनी के लगभग 30 प्रतिशत यौन तस्करी के शिकार 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं, जिनमें से कुछ की उम्र 10 वर्ष से भी कम है। कथित तौर पर कतिपय परिवार या जनजाति के सदस्य यौन तस्करी या जबरन

मजदूरी करवाते हैं। कुछ माता-पिता बच्चों को सड़क पर भीख मांगने या सामान बेचने के लिए मजबूर करते हैं, और कुछ अपनी बेटियों को कर्ज चुकाने, समुदायों के बीच विवादों को सुलझाने या अपने परिवारों का समर्थन करने के लिए विवाह या बाल यौन तस्करी के लिए बेच देते हैं या मजबूर करते हैं। दुनियाभर में हर साल करीब 6 लाख से 8 लाख लोगों की तस्करी होती है। दुनियाभर में पाए गए सभी मानव तस्करी के पीड़ितों में से 51 प्रतिशत वयस्क महिलाओं की संख्या है। भारत में वर्ष 2019 में, सरकार ने 5145 मानव तस्करी के पीड़ितों और 2505 मानव तस्करी के संभावित पीड़ितों की पहचान किए जाने की जानकारी दी, जोकि वर्ष 2018 में पहचान किए गए 3946 मानव तस्करी पीड़ितों और 1625 मानव तस्करी के संभावित पीड़ितों की तुलना में वृद्धि थी। इसके आगे भी मानव तस्करी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में वर्ष 2010 में राष्ट्रपति की घोषणा के अनुसार, प्रत्येक जनवरी को राष्ट्रीय गुलामी और मानव तस्करी रोकथाम माह के रूप में नामित किया गया है। मानव तस्करी की बढ़ती शर्मनाक घटनाओं ने संवेदनहीन होते समाज की त्रासदी को उजागर किया है। इन घटनाओं को अभिभावकों एवं समाज की संवेदनहीनता और क्रूरता के रूप में देखा जा सकता है, वहीं आजादी के अमृत काल में भी मानव-तस्करी की घिनौनी मानसिकता के पांव पसारने की विकृति को सरकार की नाकामी माना सकता है। सरकार को बच्चों से जुड़े कानूनों पर पुनर्विचार करना चाहिए एवं बच्चों के प्रति घटने वाली ऐसी संवेदनहीनता की घटनाओं पर रोक लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। इस देश में मानव तस्करी के जघन्य अपराध के रूप में बच्चों के साथ जो हो रहा है उसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की होगी। उन्हें खरीदने-बेचने और उनसे भीख मंगवाने का धंधा, उनके शरीर को अपंग बनाने का काम, खतरनाक आतिशबाजी निर्माण में बच्चों का उपयोग, उनके साथ अमानवीय व्यवहार, तंत्र-मंत्र के चक्कर में बलि चढ़ते मासूम बच्चे और उनका यौन शोषण। देश के भविष्य के साथ यह सब हो रहा है। लेकिन जब सरकार को ही किसी वर्ग की फिक्र नहीं तो इन मासूमों की पीड़ा को कौन सुनेगा? इस बदहाली में जीने वाले बच्चों की संख्या जहां देश में लाखों में है, वहीं जन्मते ही बच्चों को बेच देने की घटनाएं भी रह-रह कर नये बन रहे समाज पर कालिख पौतते हुए अनेक सवाल खड़े करती है। लाखों बच्चे कुपोषण का शिकार मिलेंगे, लाखों बेघर, दर-दर की ठोकर खाते हुए आधुनिकता की चकाचौंध से कोसों दूर, निरक्षर और शोषित। बच्चों को बेच देने एवं तस्करी की घटनाएं कई बार ऐसी परतों में गुंथी होती हैं जिनमें समाज, परंपरागत धारणाएं, गरीबी और विवशता से लेकर आपराधिक संजाल तक के अलग-अलग पहलू शामिल होते हैं। समाज में आज भी लड़के एवं लड़की को लेकर संकीर्ण एवं अमानवीय सोच व्याप्त है, झारखण्ड में एक दंपति को पहले से तीन बेटियां थी। सामाजिक स्तर पर मौजूद रूढ़ियों से संचालित धारणा के मुताबिक उस दंपति को एक बेटे की जरूरत थी। यानी तीन बेटियां उसकी नजर में महत्वहीन थी कि उससे बेटे की भरपाई हो सके। इसलिए उसने ऐसी सौदेबाजी कराने वाले मानव तस्कारों एवं दलालों के जरिए किसी अन्य महिला से उसका नवजात बेटा खरीद लिया। यानी मन में बेटा नहीं होने के अभाव से उपजे हीनताबोध और कुंठा की भरपाई के लिए कोई व्यक्ति पैसे के दम पर गलत रास्ता अपनाने से भी नहीं हिचकता। इसके अलावा, मानव तस्करी करने वाले गिरोह दूरदराज के इलाकों में और खासतौर पर गरीबी की पीड़ा झेल रहे लोगों के बीच अपने दलालों के जरिए बालक एवं बालिका खरीदने के अपराध में लगे रहते हैं। झारखण्ड, ओड़ीसा, बिहार जैसे राज्यों के गरीब इलाकों में ऐसे तमाम लोग होते हैं, जिन्हें महज जिंदा रहने के लिए तमाम जद्दोजहाद से गुजरना पड़ता है। विश्व की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनते भारत की सतह पर दिखने वाली अर्थव्यवस्था की चमक की मामूली रोशनी भी उन तक आखिर क्यों नहीं पहुंच पाती है? मानव तस्करी की बढ़ती घटनाओं में बच्चों एवं बालिकाओं को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल होते थे, वह नये बनते भारत के भाल पर एक बदनुमा दाग है।

दृष्टि कोण

सॉफ्ट हिंदुत्व के साथ विकास का कॉकटेल

हिंदुत्व के रथ पर सवार होकर सत्ता के शीर्ष तक पहुंची भारतीय जनता पार्टी की इस राजनीतिक पैंतरेबाजी को आम आदमी पार्टी (आप) ने भी लपक लिया। दिल्ली विधानसभा में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के लिए आप कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहती। आप के नेताओं को लगता है कि हिंदुत्व का इस तरह समर्थन करने से भाजपा के लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों के प्रचार को कमजोर किया जा सकता है, जिसके कारण आप के कई नेता जेल में भुगत कर आए हैं। भाजपा विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल के शीशमहल, शराब घोटाले सहित अन्य मामलों को प्रचार का मुद्दा बनाए हुए है। दरअसल आप को समझ में आ गया कि इस देश में सिर्फ विकास के कार्यों से ही सत्ता हासिल नहीं की जा सकती। यही वजह है कि आप ने भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे में सेंध लगा दी। अब भाजपा की मजबूरी यह है कि चाह कर भी इस मुद्दे पर आप का विरोध नहीं कर सकती। भाजपा के सॉफ्ट हिंदुत्व का मुकाबला कांग्रेस नहीं कर सकी। जिसे कांग्रेस भुनाने में नाकामयाब रही, उसे आप ने कर दिखाया। आप ने भाजपा की दिल्ली मंदिर प्रकोष्ठ यूनिट में सेंध लगाई है। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कई धर्मगुरुओं को आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलवाई और भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया। भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के 100 से ज्यादा सदस्यों ने केजरीवाल की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आप का दावा है कि पूरी दिल्ली के पुजारी हमारा समर्थन कर रहे हैं और हमें आशीर्वाद दे रहे हैं। इससे पहले आप ने चुनाव जीतने पर पुजारी और ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपए वेतन देने की घोषणा की थी। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी जो कहती है, वो करती है। भले हम ऐलान करने में थोड़ी देरी कर दें, लेकिन अगर एक बार ऐलान कर देते हैं तो पीछे नहीं हटते हैं। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने जैसे महिला सम्मान और संजीवनी योजना को पुलिस भेजकर रोकने की कोशिश की, वैसे इसको रोकने की कोशिश न करे, पाप लगेगा। दिल्ली भाजपा ने केजरीवाल की घोषणा की आलोचना करते हुए कहा है कि केजरीवाल ने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले और उनकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही है। भाजपा के रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से इमामों को खुश करने के लिए हर महीने 18000 वेतन देने वाली आप की सरकार को चुनावी मौसम में अब पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों की याद आई है। जब 10 साल तक मौलवियों को वेतन देने की बात कही, तब पुजारी और ग्रंथियों की याद नहीं आई। गौरतलब यह है कि भाजपा ने केजरीवाल और आप को हिंदुत्व को लेकर कटघरे में खड़ा करने का प्रयास बेशक किया हो, किन्तु योजना को गलत बताने या चुनाव जीतने पर इसे बंद करने की घोषणा का साहस नहीं दिखा सकी। मुफ्त पानी-बिजली और स्कूल जैसी लोकलुभावन घोषणाओं से आप लगातार दो बार भाजपा और कांग्रेस को दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात देती रही है। भाजपा ने पहले नरम हिंदुत्व को चुनावी हथियार बनाया और बाद में उसे विकास की तरफ मोड़ दिया। इसके विपरीत आप ने पहले विकास और अब उसके साथ सॉफ्ट हिंदुत्व को जीत का मोहरा बनाया है। भाजपा ने अयोध्या मुद्दे को चुनाव में भुनाने में कसर नहीं छोड़ी। लंबे अर्से तक भाजपा मंदिर मुद्दे पर विपक्षी दलों को कटघरे में खड़ा करती रही। इतना ही नहीं, विपक्षी दलों को अयोध्या मंदिर के निर्माण और उद्घाटन पर नहीं आने पर हिंदुत्व विरोधी होने का आरोप लगाया। भाजपा ने हिंदुत्व के साथ ही मुस्लिमों के प्रति सद्भाव दिखाने का कई बार प्रयास किया है। यह अलग बात है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम प्रत्याशी नहीं बनाया। अंतरराष्ट्रीय संबंधों की खातिर केंद्र की भाजपा सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम विरोधी होने का दाग धोने का प्रयास जरूर करती रही है। सोशल मीडिया पर देश में प्राचीन मंदिर-मस्जिद विवाद की तल्ख टिप्पणियों की बाढ़ के बावजूद भाजपा ने इससे दूरी बनाए रखी है। यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी ऐसे गढ़े मुर्दे उखाड़ कर हिंदुत्व का नेता बनने का प्रयास करने वालों को लताड़ लगाई। कारण स्पष्ट है कि केंद्र की भाजपा सरकार के नेतृत्व में भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने में जुटा हुआ है। इसके लिए अन्य देशों के साथ खाड़ी देशों से भी रिश्ते बनाना जरूरी है, ताकि भारत पर कोई देश सांप्रदायिक आधार पर भेदभाव का आरोप नहीं लगा सके। इसके अलावा भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का कैंपेन भी चलाया हुआ है। भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और लगातार आगे बढ़ रहा है।

कुछ अलग

नेतागिरी फ्रॉम होम...

डिजिटल वल्ड का जमाना है और नेताजी ने भी इस तकनीकी युग में खुद को पूरी तरह ढाल लिया है। पलंग पर लेटे-लेटे देश-प्रदेश की खबर लेते रहते हैं और पूरी तरह अपडेट रहते हैं। करवटें बदलते बदलते ही उन्होंने प्रदेश सुधारने का अभियान भी चला रखा है। सचिवालय, पार्टी कार्यालय और जनता दरबार, सब कुछ उनके घर के शयन कक्ष में फिट हो चुका है। नेताजी के समर्थकों का कहना है कि लगातार पब्लिक के बीच में रहने की वजह से उनकी रूटीन बिगड़ गई थी जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हुआ और डॉक्टरों ने अब उन्हें आराम करने की सलाह दी है। लेकिन नेता के लिए आराम हराम होता है, इसलिए डॉक्टर की सलाह पर थोड़ा बहुत अमल करने के साथ-साथ आराम से पलंग पर लेटे-लेटे तबादला आदेश जारी करना, योजनाओं को मंजूरी देना और अधिकारियों को 'इशारों' में निर्देश देना अब नेताजी का डेली रूटीन बन चुका है। वह अब पुराने जमाने के नेताओं की तरह सचिवालय में जाकर जनता से मिलने-जुलने वाले नहीं रहे। सब कुछ घर से ऑनलाइन चल रहा है। सुबह की शुरुआत आलीशान पलंग पर लेटे-लेटे चाय की चुस्कियां लेने से होती है। बगल में एक टेबल है, जिसमें फोन, लैपटॉप और सरकारी फाइलें फैली हुई हैं। लेकिन इन फाइलों का इस्तेमाल केवल सजावट के लिए है, असल काम तो मोबाइल फोन और व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से हो रहा है। नेताजी की पहली कॉल उनके निजी सचिव को होती है। आदेश देते हैं, 'फलां अधिकारी को फोन लगाओ और कहो कि फलां का तबादला शाम तक हो जाना चाहिए।' निजी सचिव उधर फोन मिलाता है और नेताजी करवट बदलकर अगले आदेश की तैयारी करते हैं। नेताजी के समर्थकों का कहना है कि उनकी करवटों में लोकतंत्र छुपा है। नेताजी के करवट बदलने का सीधा संबंध योजनाओं के पास होने से है। जैसे ही नेताजी दाईं करवट लेते हैं, किसी बड़े उद्योगपति का प्रोजेक्ट मंजूर हो जाता है। बाईं करवट में किसी ठेकेदार की किस्मत चमक उठती है। करवटें बदलते-बदलते नेताजी कभी अपने मंत्रिमंडल को डांट लगाते हैं, तो कभी एक कप सूप लाने का आदेश देते हैं। उनके पलंग के पास हमेशा 3-4 नौकर-चाकर खड़े रहते हैं। किसी का काम नेताजी का मोबाइल चार्ज पर लगाना है, तो कोई उनकी चप्पल सही जगह रखता है। फाइलें पलंग पर ही फैली होती हैं, ताकि नेताजी को ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। कभी-कभी नेताजी अपने निजी सचिव को बुलाकर गंभीर स्वर में कहते हैं, 'देखो, पार्टी के कार्यकर्ताओं को समझाओ कि इस बार टिकट केवल उन्हीं को मिलेगा, जो पार्टी फंड में सहयोग देंगे। बाकी जनता के काम बाद में देखेंगे।' नेताजी ने जनता से संवाद के लिए एक नया तरीका अपनाया है। व्हाट्सऐप पर एक नंबर जारी किया गया है, जिसमें लोग अपनी समस्याएं लिखकर भेज सकते हैं। हर समस्या का जवाब नेताजी की तरफ से एक ही होता है- 'आपकी समस्या पर विचार किया जा रहा है। जल्द समाधान होगा।' नेताजी का दिन का बड़ा हिस्सा उद्योगपतियों, ठेकेदारों और माफिया सरगनाओं से फोन पर बात करने में बीतता है। कोई कहता है, 'साहब, मेरा प्रोजेक्ट पास करवा दीजिए।' नेताजी मुस्कुराकर जवाब देते हैं, 'हम देख लेंगे, पहले अपना योगदान याद रखना।' माफिया सरगना फोन करता है, 'साहब, इलाके में पुलिस ज्यादा परेशान कर रही है।' नेताजी पलंग पर करवट बदलते हुए कहते हैं, 'एसपी से बात करेंगे। सब ठीक हो जाएगा।' नेताजी का असली समय हाईकमान से बात करने में जाता है। हाईकमान से निर्देश मिलते ही नेताजी अगले आदेश जारी कर देते हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं की बातें सुनने का तो समय ही नहीं। अगर कोई कार्यकर्ता मिलने आ भी जाए, तो उसे 5 मिनट में बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है।

देश दुनीया से

व्यवहार और संस्कार में 'जनरेशन गैप'

ये क्या बात हुई? बहुत वर्षों तक प्रेम हुआ फिर 'लिव इन रिलेशनशिप' में रहे। मुश्किल से शादी हुई, लाखों रुपए आयोजन पर खर्च दिए। अभी तो शहनाई की आवाजें भी कानों में गूंज रही हैं, मेहंदी की सुर्ख लाली हाथों में चढ़ी है और अब तलाक? जी हां, बिल्कुल सही। वो जन्म-जन्म के बंधन में बंधने के जमाने गए। विचारणीय यह है कि आपके प्रेम संघर्ष की मंजिल कहां है? क्या प्रेम सम्बन्ध में आप टाइम पास कर रहे हैं? या फिर बिना कोई जिम्मेदारी लिए रूप, रस, रंग, गंध, स्पर्श और यौवन का आधुनिक भौतिकवादी आनंद ले रहे हैं? क्या सच में आप अपने मनपसंद व्यक्ति के साथ वैवाहिक जीवन में बंधकर रहना चाहते हैं? या फिर आप सफर का ही मजा लेना चाहते हैं तथा मंजिल पर पहुंचना ही नहीं चाहते? क्या आप पारिवारिक तथा सामाजिक दायित्व को निभाने के लिए तैयार नहीं हैं? क्या विवाह आपकी नजर में एक मजाक है? ये कुछ प्रश्न हैं जो एक व्यक्ति स्वयं से पूछ कर अपने ही आप उत्तर दे सकता है। वास्तव में लिव इन रिलेशनशिप प्यार है ही नहीं। यह केवल अस्थायी समायोजन है अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए। आपके प्रेम का आधार क्या है? यह आपकी शिक्षा, पोषण, परवरिश तथा संस्कारों की पृष्ठभूमि से ही पता चल सकता है। वर्तमान भौतिकवादी युग में सभी का जीवन अपना-अपना, विचार तथा तर्क होता है जिसे कोई भी गलत साबित नहीं कर सकता। क्योंकि दुनिया में आपकी मानसिकता तथा आवश्यकता के अनुसार सब कुछ उपलब्ध है। संस्कारों की बातें अब गए जमाने की हो गई हैं। ज्ञान, विज्ञान, आचार, व्यवहार, संस्कार और सरोकार में 'जनरेशन गैप' भी आ जाता है। जो हर समय पर रहा और हमेशा रहेगा। आज आचार, व्यवहार, संस्कार तथा सोचने-विचारने के चश्मे बदल गए हैं। हम सभी अपने कृत्य, आचरण एवं व्यवहार में अपने आपको सही ठहराते हैं। वर्तमान परिवेश में पूर्व की भांति समाज में लडके तथा लडकी के लिए रिश्ते देने का रिवाज खत्म सा हो गया है। गलती से अगर कोई प्रस्ताव रख भी दें तो लडकी या लडके की अपनी पसंद होने की बात कह कर बात टाल दी जाती है। कोई किसी की जिम्मेदारी या खतरा मोल नहीं लेना चाहता। वर्तमान में युवा लडके और लड़कियों में आम तौर पर एक-दूसरे के लिए आकर्षण तो देखा जाता है, लेकिन प्रेम नाम की कोई वस्तु नहीं पाई जाती। आजकल युवाओं की पसंद-नापसंद तथा आकर्षण में भी यौवन, रंग, रूप, बैंक बैलेंस, नौकरी, गाड़ी, बंगला तथा अन्य संसाधन मुख्य घटक रहते हैं। जीवन साथी चुनते समय रंग-रूप, कद काठी, जाति, भाषा, धर्म, सम्प्रदाय के मानदंड तो लगभग समाप्त ही हैं। आयु, रंग, रूप, आकार को कोई महत्व नहीं दिया जाता। परिवारों, समाजों, व्यवहारों तथा संस्कारों को वरीयता नहीं दी जाती। व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा व्यावसायिक अनुरूपता को अधिमान दिया जाता है। शादी के लिए जन्मपत्रिका तथा छत्तीस गुण मिलाने का भी रिवाज अब समाप्त हो रहा है। अब यह संकीर्ण मानसिकता तथा रूढ़िवादिता समझा जाता है। लडके तथा लडकी में व्यावसायिकता के दृष्टिगत राज्यीय, अंतरराज्यीय, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्बन्ध बन रहे हैं। शिक्षा, संस्कारों तथा व्यवहारों को वरीयता नहीं दी जाती। 'खाओ पियो ऐश करो' की संस्कृति में डूबे हुए, अचेत तथा बेखबर लोगों का जब सपना टूटता है तब तक तलाक के कागज तैयार हो जाते हैं। यही कहानी है आजकल की बहुधा शादियों की। फिर लगता है कि वो लडका या लडकी, व्यक्ति, परिवार या समाज हमारे परिवार के काबिल नहीं था। आज की सामाजिक व्यवस्था में शादी के योग्य हो जाने वाले प्रत्येक युवक तथा युवती को बंधन में बंधने से पूर्व शादी के व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक तथा वैधानिक अर्थों को भी समझ लेना चाहिए। यह बर्बादी से बचने के लिए अति आवश्यक है। वर्तमान में विभिन्न न्यायालयों में चालीस प्रतिशत से अधिक मामले शादियों से उपजे विवादों, लेन-देन, तलाक, असंतोष तथा समायोजन में आ रही परेशानियों से सम्बन्धित हैं। परिवार बिखर रहे हैं, यदि संतान है तो जिम्मेदारी के लिए कोर्ट में मुक्कदमे चल रहे हैं। बुजुर्ग माता-पिता परेशान हैं। बच्चों का जीवन तथा माता-पिता की आशाएं, आकांक्षाएं धराशायी हो रही हैं। यह समझना इसलिए भी आवश्यक है कि बिना सोचे-समझे शादी के बंधन में बंधने से प्रायश्चित ही होता है। शादी आत्माओं का एक पवित्र बंधन है जिसे पारिवारिक, सामाजिक, धार्मिक तथा वैधानिक मान्यता मिलती है। शादी के उपरांत दोनों लोगों का एक सम्मिलित व्यक्तिव बनता है जो एक-दूसरे की मानवीय आवश्यकताओं तथा अपूर्णताओं को पूर्ण कर विशेष अधिकारों तथा दायित्वों के लिए जिम्मेदार होते हैं। विवाह जैसा संस्कार नवदम्पत्ति को एक विशेष सम्मान तथा जिम्मेदार होने का प्रमाणपत्र देता है। आज नवयुवकों तथा युवतियों के जीवन में भी बहुत सी चुनौतियां तथा संघर्ष हैं। अच्छी से अच्छी पढ़ाई करने के बाद नौकरी या रोजगार नहीं है। विवाह की उम्र भले ही 21 वर्ष हो लेकिन अब 30 वर्ष की उम्र में ही हो रहे हैं क्योंकि इस पीढ़ी ने मान लिया है कि विवाह से ज्यादा पैसा और सफलता भी आवश्यक है। यदि आजीविका का साधन है तो रिश्ते नहीं हैं। शादी हो गई तो परिवारों की महत्वाकांक्षाएं तथा अपेक्षाएं बहुत हैं। नए सम्बन्ध बनने पर समायोजन नहीं हो पा रहा। नवदम्पत्ति संयुक्त परिवारों में रहना नहीं चाहते। मल्टीनेशनल कंपनियों में कार्यरत दम्पतियों को बच्चे नहीं चाहिए। वे बच्चों के पालन-पोषण का कष्ट नहीं भोगना चाहते। परिवारों में माता-पिता, बड़ों तथा बुजुर्गों की बहुत आशाएं, आकांक्षाएं तथा अपेक्षाएं बहुत हैं। आज के परिवेश में माता-पिता को चाहिए कि सही सोच, विचार, सही दिशा से बच्चों की शिक्षा, परवरिश तथा संस्कारों को दिया जाए।

वर्तमान भौतिकवादी युग में सभी का जीवन अपना-अपना, विचार तथा तर्क होता है जिसे कोई भी गलत साबित नहीं कर सकता। क्योंकि दुनिया में आपकी मानसिकता तथा आवश्यकता के अनुसार सब कुछ उपलब्ध है। संस्कारों की बातें अब गए जमाने की हो गई हैं। ज्ञान, विज्ञान, आचार, व्यवहार, संस्कार और सरोकार में 'जनरेशन गैप' भी आ जाता है। जो हर समय पर रहा और हमेशा रहेगा। आज आचार, व्यवहार, संस्कार तथा सोचने-विचारने के चश्मे बदल गए हैं। हम सभी अपने कृत्य, आचरण एवं व्यवहार में अपने आपको सही ठहराते हैं। वर्तमान परिवेश में पूर्व की भांति समाज में लडके तथा लडकी के लिए रिश्ते देने का रिवाज खत्म सा हो गया है।

आप का नजरीया

शहरी द्वंद्व में हिमाचल

चलो एक प्रयास तो हुआ कि कुछ अलग सोचें, वरना हम तो उन्हीं गलियों में आवारा बस्ती बने हैं। धर्मशाला में दिल्ली के लोक प्रशासन संस्थान के सहयोग से शहरीकरण की उत्कंठा को नजदीक से देखा, परखा व भविष्य की संरचना के पर्याय खोजे गए। शहरीकरण की उम्मीदों में पलने लगा हिमाचल, दस-बारह शहरों या बनते नए नगर निकायों की हद तक ही सीमित नहीं, बल्कि प्रदेश की मिट्टी पर उगी प्रति व्यक्ति आय के बढ़ते ग्राफ ने शहर की तरह जीने की लालसा को समूचे प्रदेश की जीवन शैली बना दिया है। नतीजतन हिमाचल में ग्रामीण और शहरी द्वंद्व एक ही सतह पर खड़े हैं। जीवन शैली में आए परिवर्तन और प्रति व्यक्ति आय के फलते-फूलते फलक ने गांव से शहर तक कमोबेश एक जैसे नागरिक दबाव बढ़ा दिए हैं। हिमाचल की सार्वजनिक भूमि का कम होना और जंगलों का घनत्व बढना भी एक बड़ा कारण है कि ग्रामीण से शहरी व्यवस्था तक मानवीय जरूरतों की अफरा-तफरी बढ़ गई है। इतना ही नहीं, सरकारों की ओर से शहरी योजनाओं का प्रारूप मानवीय जरूरतों से कहीं भिन्न सियासी वकालत का जरिया बन गया। न शहरों का दायरा सही समय में बढ़ाया गया और न ही गांवों में घटते ग्रामीण संस्कारों को समझा गया। खास तौर पर सडक़ों के विस्तार और निजी परिवहन की रफ्तार ने प्रदेश की ग्रीन बैल्ट को कंक्रीट से भर दिया। ऐसे में अगर धर्मशाला की बैठक में पहाड़ के शहरी मॉडल पर सोचा गया और यह माना गया कि पर्वतीय शहर अलग फितरत से अपना भविष्य तय करेंगे, तो यह दिशा परिवर्तन का फार्मूला हो सकता है, लेकिन इससे पहले शहरी विकास के कानून, नियम व विकल्प भी समझने होंगे। हम चैन से ग्रामीण जीवन को आगे नहीं बढ़ाएंगे, तो सुकून से हमारे शहर भी नहीं बचेंगे। इसके संदर्भों में आधी सदी गुजार कर भी टीसीपी कानून अक्षम है या हमने इसके मूल उद्देश्य को भ्रमित करके मार डाला है। हिमाचल एकमात्र ऐसा राज्य है जिसने शहरी और ग्रामीण जरूरतों को केवल केंद्रीय योजनाओं या बजट के अनुरूप रखते हुए केवल उपलब्ध राशि का इस्तेमाल किया, वरना अब तक कुछ उपग्रह नगर बस चुके होते। अपनी आवासीय जरूरतों को नजरअंदाज करके हिमाचल ने शहरी आर्थिकी का मजबूत पक्ष नहीं खोया, बल्कि हर शहर की बेहतरीन तस्वीर को भी कूड़ेदान में डाल दिया। अगर समय रहते दो-तीन सुनियोजित शहर बसा लिए होते, तो इसका सामाजिक, आर्थिक, शहरी व व्यावहारिक पक्ष सुदृढ़ होता। हिमाचल में शहरी प्रवृत्ति पर बढ़ती कनेक्टिविटी का असर दिखने लगा है और जैसी ही फोरलेन परियोजनाएं, कांगड़ा एयरपोर्ट तथा रेलवे विस्तार संभव होगा, गांव और शहर के बीच सिर्फ शहरी एवं ग्रामीण निकायों भर का फासला बचेगा। ऐसे में बेहतर यह होगा कि पूरे प्रदेश को ग्राम एवं नगर योजना कानून के दायरे में लाया जाए। इसके तहत कम से कम आठ-दस शहरी विकास प्राधिकरण बनाकर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में समन्वित विकास की पद्धति सुनिश्चित की जाए। कुछ शहरों और अनेक गांवों की परिधि शहरी विकास प्राधिकरण के मार्फत आवासीय योजनाओं के अलावा यह भी सुनिश्चित कर सकती है कि नवनिर्माण के दायरे कहां तक रखे जाएं। जहां दो-तीन शहरों के बीच कॉमन प्लानिंग एरिया बढ़ेगा, वहीं ग्रामीण परिदृश्य में भी समन्वित विकास होगा।

प्रयाग के पंडों के पास है गांधी, नेहरू और पटेल की वंशावलियों का लेखा जोखा

महाकुंभ नगर (हिंस)। विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और आध्यात्मिक महाकुंभ मेला 13 जनवरी से प्रयाग में शुरू हो जाएगा। देश-विदेश से करोड़ों की संख्या में तीर्थयात्री संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाएंगे। कुंभ मेले में 3 नदियों का संगम, नागा संन्यासी, लाखों की संख्या में कल्पवासी और संगम की रेती में बने टेंट की भव्यता देखने लायक होती है। इसके अलावा कुंभ मेले में कई सदियों पहले आने वाले देश-विदेश से तीर्थ यात्रियों का पूरा लेखा जोखा रखने वाले पंडा समाज भी सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचता है। सदियों पुरानी वंशावली को खोजने के मामले में तो प्रयाग के पंडों के सामने आधुनिक तकनीक और सर्च इंजन भी फेल हो जाता है। इन पंडा समाज के पास उन सभी का लेखा-जोखा मिल जाता है तो कभी न कभी सदियों सालों पहले प्रयाग आए हुए होंगे। प्रयाग के पंडों के पास देश के प्रसिद्ध नेताओं गांधीजी, नेहरू, पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद आदि की वंशावलियां का रिकार्ड है। इन पंडों के पास कई पीढ़ियों के हस्तलिखित दस्तावेज आज भी मौजूद हैं, जो इसकी प्रामाणिकता और मौलिकता को अधिक बल देते हैं। प्रयागराज के कीडगंज में रहने वाले पीली कोठी वाले पंडा जी ने बताया कि हम बहुत ही वैज्ञानिक तरीके से अपने यजमानों का साक्ष्य (सबूत) रखते हैं। हमारी पांचवी पीढ़ी अब यह कार्य कर रही है। यानी पांच पीढ़ियों से लगातार हम इस कार्य में अग्रसर हैं। पेटी हमारा अनमोल खजानापंडा गगन भारद्वाज ने बताया कि, झंडे पर बना निशान हमारी पहचान है, इसके साथ ही इस पेटी पर लिखा शब्द हमारा ट्रेडमार्क है यह पेटी हमारा अनमोल गहना है, क्योंकि इसमें हम अपने जजमानों का लेखा-जोखा रखते हैं। हमारा यजमान कौन है यह हम उनके क्षेत्रीय भाषा और पहनावे के हिसाब पहचान लेते हैं। उसके बाद हम उनके दादा, परदादा तक के हस्ताक्षार अपने पोथी में दिखा कर बता देते हैं कि हम ही आपके यहां के कुल पुरोहित हैं। रजिस्टर में रखते हैं यजमान का पूरा लेखा जोखाइन पंडों का क्षेत्र भी बहुत बड़ा है और यजमान ज्यादा होने के कारण ये एक रजिस्टर में अपने यजमानों के पूरे खानदान को लेखा-जोखा रखते हैं। यजमानों का स्थान और जाति का नाम सुनते ही वो उनके पिता, दादा, परदादा का नाम तुरंत बता देते हैं। इस रजिस्टर में कम से कम 150 वर्षों का रिकार्ड दर्ज है। मुनीम तैयार करता है पोथीयही नहीं अपने पोथी को तैयार रखने के लिए एक मुनीम रखते हैं, जिसका प्रमुख कार्य आने वाले यजमानों की सूची तैयार करना होता है। खास बात तो यह कि आज भी ये पंडे हिंदू कैलेंडर का उपयोग करते हैं। पंडों के पास आने वाले यजमानों को दिक्कत न हो इसके लिए वे स्टेशनों पर सेवक रखते हैं, जो यजमानो को पुरोहित के पास सकुशल पहुंचा देते हैं। पंडों के पास 500 वर्षों की वंशावलियों है सुरक्षितप्रयाग के पंडों के पास 500 वर्षों की वंशावलियों के ब्योरे बही खातों में पूरी तरह सुरक्षित हैं, जिसे हम कभी भी देख सकते हैं। इस पंडों के पास आज भी महात्मा गांधी, सरदार पटेल, पंडित जवाहर लाल नेहरू, डाक्टर राजेंद्र प्रसाद, आचार्य नरेंद्र देव, सुचेता कृपलानी के वंशावली की दस्तावेज मौजूद है। पलभर भी ही ये पंडे अपने बही खाते से अपने यजमान की सारी जानकारी बता देते हैं। यजमानों के तीन दस्तावेज करते हैं तैयारपंडा मातादीन ने बताया कि, पंडा समाज यजमानों के लेखे जोखे के विवरण के लिए तीन दस्तावेज तैयार करते हैं। पहली दस्तावेज घर में सुरक्षित रखते हैं। दूसरे दस्तावेज यजमानों को दिखाई जाती है। तीसरी तीर्थ स्थल पर लोहे के संदूक में रखी जाती है। भगवान राम के पंडों के हैं यहां वंशजपंडा अजय कुमार के अनुसार, प्रयाग में ऐसे पंडों का वंशज आज भी यहां पर मौजूद है जिन्होंने भगवान राम के पिता का पिंडदान किया था और उन्हें रघुकुल का पुरोहित माना गया। 1957 की गदर क्रांति के दौरान रानी लक्ष्मी बाई 3 दिनों तक तीर्थ पुरोहित के घर बिताई थी जिसकी ब्योरा इन पंडों के पास आज भी सुरक्षित है। कंप्यूटर में नहीं रखते जजमानों का रिकार्ड डिजिटल और तेज रफ्तार युग में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के बावजूद तीर्थराज प्रयाग के तीर्थ पुरोहितों द्वारा अपनी पोथियों में अपने जजमानों का पीढ़ी दर पीढ़ी तमाम ब्यौरा पुरातन तरीके से ही सहेजा जा रहा है। गौरी शंकर हाथी छाप चिह्न के तहत जजमानी करने वाले तीर्थ पुरोहित सूरज कुमार ने पंडों द्वारा आईटी का उपयोग नहीं करने के बारे बताया, हार्ड डिस्क की अपनी सीमा और लाइफ होती है। हार्ड डिस्क के खराब होने पर कई पीढ़ियों के डाटा खत्म होने का खतरा है। राज्य के हिसाब से रखते हैं जजमानों की पोथी वरिष्ठ पंडा गगन भारद्वाज ने बताया कि, इसके अलावा, हमारे यजमान बही खातों में अपने पूर्वजों का नाम आदि देखकर बहुत खुश होते हैं और अलग अलग बही खाते होने से एक साथ कई यजमानों को ब्यौरा दिखाया जा सकता है, जबकि एक लैपटॉप से एक ही यजमान को ब्यौरा दिखाया जा सकेगा।

अराजक तत्वों ने तोड़ी हनुमान जी की गदा, मौके पर पुलिस बल तैनात

बलिया (हिंस)। जिले के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय नगर के गोलाबाजार स्थित महावीर मंदिर में शुक्रवार की शाम हनुमान जी की मूर्ति की गदा को अराजकतत्वों द्वारा खंडित करने का मामला प्रकाश में आया है। इसकी सूचना जैसे ही हुई, भाजपा नेताओं सहित भारी भीड़ मौके पर पहुंच गई। इस घटना के बाद भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात कर दी गई। मंदिर के आसपास के निवासियों का आरोप है कि शुक्रवार की शाम को किसी अराजकतत्त्व ने हनुमान जी की गदा को खंडित कर दिया। लोगों को इसकी जानकारी होने पर भारी संख्या में भीड़ मंदिर पहुंच गई। आरोप है कि माहौल बिगाड़ने के लिए शरारतीतत्वों ने मूर्ति तोड़ी है। मामला बढ़ता देख मौके पर पुलिस के अधिकारी भी पहुंचकर जांच में जुट गए। मौके पर मौजूद थानाध्यक्ष विकास चंद पांडेय व चौकी इंचार्ज ज्ञान प्रकाश तिवारी ने कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। वहीं, शनिवार को इस बाबत अपर पुलिस अधीक्षक अनिल झा ने बताया कि आरोपी की पहचान कर ली गई है। दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जो दोषी होगा, उसके ऊपर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में नशा तस्करों के सौ ठिकानों को किया नष्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शनिवार को एक वर्चुअल बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि राज्य सरकार ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई में पड़ोसी राज्यों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए पंचकूला में अंतरराज्यीय सचिवालय की स्थापना की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा उत्तरी राज्यों पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड और राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी और आवाजाही के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने की सुविधा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामलों में सजा की दर वर्ष 2023 में 48 प्रतिशत से बढ ?र वर्ष 2024 में 54 प्रतिशत हो गई है। सैनी ने बताया कि हरियाणा में इस साल 294 किलो के करीब हेरोइन और चरस पुलिस ने पकड़ी है, जिसको सरकार जल्द ही नष्ट कराएगी। सीएम ने मीटिंग में आश्वासन दिया कि सरकार 2047 से पहले ही हरियाणा को ड्रग फ्री करने का प्रयास करेगी। सरकार ने नशा तस्करों से लगभग 50 करोड़ से अधिक की राशि जब्त की है और लगभग 100 अवैध अतिक्रमण प्रतिष्ठानों को नष्ट कर दिया है। इसी तरह से लगभग 26, 000 नशीली दवाओं के तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पिछले साल नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के लिए लगभग 5, 000 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें 1, 000 प्रमुख नशीली दवाओं के तस्कर भी शामिल हैं। ऐसे तस्करों के पास से बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं जब्त भी की गई थीं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 3445 गांवों और 774 वार्डों को नशा मुक्त घोषित किया गया है।

महिलाओं-बच्चों के उत्थान के लिए राज्य सरकार संवेदनशील : सीएम शर्मा

उदयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला एवं बाल विकास देश एवं प्रदेश की प्रगति की आधारशिला है। इनके सशक्तीकरण से एक अच्छे परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं एवं बच्चों के उत्थान के लिए पूरी संवेदनशीलता से कार्य कर रही है। हम इनसे जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य को साकार किया जा सके। मुख्यमंत्री शनिवार को उदयपुर में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित चिंतन शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह चिंतन शिविर महिलाओं एवं बच्चों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। इस

शिविर में हम साथ मिलकर इनके भविष्य को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में चिंतन करें जिससे महिला एवं बाल विकास को नई दिशा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव लाए हैं। वे राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने नई योजनाओं एवं नवाचारों से देश के विकास में नया अध्याय जोड़ा है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृशक्ति तथा बच्चों के समग्र विकास के लिए समर्पित हैं, उनके अनुसार देश में महिला, युवा, किसान तथा मजदूर चार जातियां हैं। जिनके उत्थान एवं सर्वांगीण विकास के लिए सरकार काम कर रही है। शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर 3 से 6 वर्ष के बच्चों को पोषाहार के साथ अतिरिक्त पोषण के लिए सप्ताह में तीन दिन गर्म दूध उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना शुरू की गई है। राज्य सरकार 2 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों को आदर्श आंगनबाड़ी के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में सहयोग करने वाले स्थानीय आमजन का सम्मान करना चाहिए। राज्य सरकार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित प्रत्येक योजना की निरंतर मॉनिटरिंग, मूल्यांकन तथा आकलन कर रही है जिससे योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को राज्य सरकार ने 5 हजार से बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपए कर दिया गया है। साथ ही, दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को 10 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है।

अकाल तख्त के आदेशों के पालन में बरती जा रही ढिलाई : जत्थेदार

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि अकाली दल में मची अंतर्कलह के बीच अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने शनिवार को अमृतसर में कहा कि शिरोमणि अकाली दल के पुनर्गठन के लिए गठित 7 सदस्यीय कमेटी अभी भी कायम है और सक्रिय है। उन्होंने कहा कि 2 दिसंबर को जारी आदेशों के अनुपालन में अभी भी ढिलाई बरती जा रही है, जो नहीं होनी चाहिए। जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि शनिवार को चंडीगढ़ में अकाली दल की कार्यकारिणी की बैठक हुई थी, जिसके बाद पार्टी प्रवक्ता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने बताया कि बैठक में सुखबीर बादल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। इस बैठक में केवल सुखबीर बादल का इस्तीफा स्वीकार किया गया है।

जीवन को खास बनाने के लिए हमें बड़े लक्ष्य चुनने पड़ेंगे : खेल मंत्री

जयपुर (हिंस)। राजस्थान यूथ बोर्ड द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के चौथे दिन शनिवार को *युवाओं के लिए अभिप्रेरणा संवाद* कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण में अहम योगदान देने वाले मोटिवेशनल स्पीकर बीआर शंकरानंद ने युवाओं को अपने ओजस्वी संबोधन से प्रेरित और प्रोत्साहित किया। युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शंकरानंद ने युवाओं से जिस मार्ग पर चलने की अपेक्षा की है, उस पर चलने के लिए साहस की आवश्यकता है। हर मुश्किल को आसान बना देने वाले असाधारण लोग दुनिया में बहुत कम होते हैं। उन्होंने युवा महोत्सव में भाग ले रहे युवाओं से कहा कि वे अनुशासन, धैर्य और साहस के बूते यहां तक पहुंचे हैं, लिहाजा वे अपने आप को भीड़ का हिस्सा नहीं समझें। कर्नल राठौड़ ने कहा कि अपने जीवन को खास बनाने के लिए हमें बड़े लक्ष्यों को चुनना पड़ेगा और उन्हें प्राप्त करने के लिए अपने आप को चुनौतियों के लिए तैयार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी छोटी-छोटी कोशिशों से ही हमारे लिए बड़ा मार्ग तैयार हो पाएगा। इससे पूर्व बीआर शंकरानंद ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा विकास और विनाश

दोनों के कारण बन सकते हैं। लेकिन भारत के युवा विशिष्ट हैं, जो कल्याणकारी मार्ग ही चुनते हैं। उन्होंने कहा कि हमें भारत को पहले आत्मनिर्भर, फिर विकसित, उसके बाद श्रेष्ठ और तत्पश्चात विश्व गुरू बनाना है। स्वामी विवेकानन्द द्वारा दिखाया गया मार्ग ही भारत के विश्व गुरू बनने का माध्यम हो सकता है। शंकरानंद ने स्वामी विवेकानंद की जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रश्न पूछना मनुष्य के व्यक्तित्व का बहुत अहम तत्व है। प्रश्न पूछने की तीव्रता को रोका नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रश्नों के उत्तर ढूंढ़ना ही मनुष्य जीवन की विकास यात्रा है। स्वामी विवेकानंद ने भी प्रश्नों पर मंथन से ही भारत के कल्याण का मार्ग खोजा। शंकरानंद ने कहा कि भारत को समझने के लिए हमें एक-दूसरे से कनेक्ट होने की भी आवश्यकता है। भारत को ज्ञान, पराक्रम और त्याग के लिए जाना जाता है। निर्भय होना भी भारत को समझने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि अध्ययन और भ्रमण करने से भारत को समझने में आसानी होगी। शंकरानंद ने कहा कि देश के युवाओं में इतनी शक्ति है कि भारत शीघ्र ही विकसित देश बनेगा। विकसित भारत के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य अनिवार्य विषय हैं। हमें अच्छा बनना और अच्छा करना चाहिए। इसके लिए हम अपनी जीवन शैली में परिवर्तन लाते हुए अच्छी आदतों को अपनाएं। शंकरानंद ने सूर्य नमस्कार और गीता पाठ के लाभ भी गिनाए। संबोधन के बाद शंकरानंद ने प्रदेश भर से युवा महोत्सव में आए प्रतिभागियों के सवालों के जवाब भी दिए। प्रारम्भ में शंकरानंद ने भारत माता और स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। वहीं, कार्यक्रम के पश्चात खिलाड़ियों ने मल्लखंभ का साहसिक प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को रोमांचित किया। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव एवं राजस्थान यूथ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नीरज के पवन, राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह, युवा मामले एवं खेल विभाग की उप सचिव अनीता मीणा और राजस्थान यूथ बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश पहाड़िया सहित विशिष्टजन और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

पंजाब में विधायक की गोली लगने से मौत पिस्टल साफ करते समय हुआ हादसा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के लुधियाना जिले में आम आदमी पार्टी (आआपा) से विधायक गुरप्रीत सिंह बस्सी उर्फ गोगी की गोली लगने की मौत हो गई। गोगी लुधियाना वेस्ट विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। घटना शुक्रवार रात करीब 12 बजे उस समय हुई जब गोगी एक कार्यक्रम से लौटने के बाद अपना लाइसेंसी पिस्टल साफ कर रहे थे। गोली उनके सिर के आर-पार हो गई। परिजन व सुरक्षा कर्मी गोगी को लुधियान के डीएमसी अस्पताल में लेकर भी गए, जहां करीब दो बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक गोगी शुक्रवार रात बुड्ढा दरिया पर पार्टी के राज्यसभा सांसद संत बलवीर सिंह सीचेवाल से मुलाकात करने के साथ ही कई अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद घर पहुंचे थे। गोगी ने अपने घरेलू सहायक से कहकर खाना भी तैयार करवाया। इस बीच अचानक गोगी के कमरे से गोली चलने की आवाज आई। पत्नी डॉ. सुखचैन कौर, बेटा और घरेलू सहायक कमरे में पहुंचे तो गोगी खून से लथपथ जमीन पर गिरे हुए थे। परिवार के सदस्यों ने तुरंत शोर मचाकर सुरक्षा कर्मियों को सूचना दी। पुलिस कर्मचारी और परिवार के सदस्य उन्हें लेकर दयानंद मेडिकल अस्पताल पहुंचे, जहां कुछ समय बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। विधायक को गोली लगने की जानकारी मिलते ही जिला उपायुक्त जितेन्द्र जोरवाल और पुलिस कमिश्नर कुलदीप चहल अस्पताल पहुंचे। इसके बाद पुलिस अधिकारी गोगी के घर भी गए।

घटना की जांच कर रहे एडीसीपी जसकरण सिंह तेजा ने बताया कि पिस्टल 25 बोर का था। विधायक की मौत किन हालातों में हुई है यह कहना जल्दबाजी होगी। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। इस घटना की सूचना मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा शनिवार सुबह करीब पांच बजे लुधियाना में मृतक गोगी के आवास पर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की।

आपदाओं से लड़ने में बिहार का सहयोग करेगा इसरो

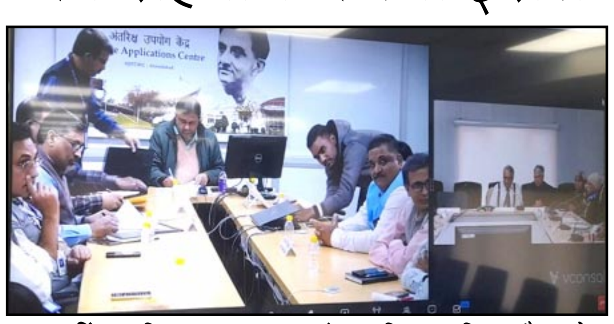

पटना (हिंस)। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बिहार मौसम सेवा केंद्र और इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) की संस्था स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (सैक) के बीच अहमदाबाद में त्रिपक्षीय समझौते (एमओयू) पर आज हस्ताक्षर किया गया। प्राधिकरण की ओर से सचिव मो वारिस खान (भा.प्र.से.), मौसम सेवा केंद्र की ओर से निदेशक डॉ. सीएन प्रभु और *सैक* की ओर से निदेशक नीलेश एम देसाई ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। पटना से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत, इस महत्वपूर्ण क्षण के गवाह बने। इस समझौते के तहत बाढ़, सुखाड़, लू, शीतलहर, वज्रपात और कुछ हद तक भूकंप जैसी आपदाओं पर निरंतर निगरानी रखी जा सकेगी। इसके साथ ही कई प्रकार की आपदाओं की पूर्व चेतावनी में भी मदद मिलेगी। सैटेलाइट से मिलनेवाली तस्वीरों से नदियों की गहराई जानने और आउटकम असेसमेंट (जल प्रवाह अनुमान) के साथ बिहार में बाढ़ से होनेवाली क्षति को भी कम किया जा सकेगा। आपदा प्रबंधन नीतियों को कार्यान्वित करने में उपग्रह से मिले डेटा का उपयोग किया जा सकेगा। समझौते के तहत उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे बिहार के विद्यार्थी रिसर्च और स्टडी के लिए सैक और इसरो जा सकेंगे।

ऑपरेशन साइबर शील्ड अभियान : ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के तीस ठग गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी), जिला स्पेशल टीम जयपुर पश्चिम (डीएसटी) ने ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत कार्रवाई करते हुए तीस से ज्यादा बदमाशों को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ अलग-अलग जगह से गिरफ्तार किया है। इनमें तीन लोग ऐसे भी गिरफ्तार किए गए जो ज्योतिष बनकर ऑनलाइन लोगों पूजा-पाठ करने के नाम पर रुपए ठग रहे थे। साथ ही इस ठगी में दो बाल अपचारी भी शामिल हैं। इस कार्रवाई में पुलिस ने 135 बैंक खाते और 64 यूपीआई आईडी ब्लॉक कराया है और साथ ही बीस एटीएम भी ब्लॉक किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने 30 करोड़ से अधिक की साइबर ठगी करना स्वीकार किया है। जानकारी के अनुसार आरोपियों ने एक साल के दौरान यानी पिछले एक साल में नौ करोड़ 27 लाख रुपए से ज्यादा की राशि ठगों ने बैंक खातों से निकाली है जिसमें से करीब चालीस फीसदी से ज्यादा राशि यानी तीन करोड़ 85 लाख रुपए से ज्यादा पैसा पुलिस ने ब्लॉक कराया है। पकड़े गए अपराधी फर्जी वेबसाइट, ऑनलाइन लिंक और बैंक धोखाधड़ी के माध्यम से लोगों को जाल में फंसाते थे। जयपुर पश्चिम पुलिस के 51 पुलिसकर्मियों ने एक महीने तक अलग-अलग जगहों पर जांच-पड़ताल की और उसक बाद पिछले दो से

तीन दिनों के दौरान करीब तीस साइबर ठग धरे हैं। फिलहाल इस मामले में पूछताछ जारी है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि साइबर अपराध की चुनौती को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने ऑपरेशन साइबर शील्ड चला रखा है। इसके तहत जयपुर पश्चिम जिला पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीस से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से मोबाइल, लैपटॉप, इंटरनेट डोंगल सहित कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। जांच में मिले कागजों से करीब तीस करोड़ रुपए का लेनदेन का हिसाब मिला है। इसकी जांच शुरू कर दी गई है। ये लोग ऑनलाइन क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने के साथ-साथ ऐप के माध्यम से लोगों को गेम खिलाते और लाखों रुपए लूटा करते थे। सूचना मिलने पर पुलिस की अलग-अलग टीम बनाई। फिर एक्शन किया गया। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि साइबर ठगी के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान साइबर शील्ड अभियान के तहत एनसीआरबी, डिजिटल सूत्रों से मिली जानकारी के बाद करधनी, हरमाड़ा, बिंदायका, करणी विहार, भांकरोटा, बगरू थाना पुलिस की विशेष टीम बनाई गई। बिंदायका, करधनी, कालवाड़ व हरमाड़ा में कुछ जगहों पर पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान मौके पर से पुलिस को इलेक्ट्रॉनिक जैसे मोनिटर, सीपीयू कीबोर्ड, माउस, लैपटॉप, मोबाइल, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक, चेकबुक, एलईडी राउटर, स्वीच, नोटबुक, नकद, सिम कार्ड, चार्जर, एचडीएमआई केबल, एचडीएमआई कनेक्टर, पावर केबल उपकरण मिले, जिन्हे जब्त की गई। इस जांच में अभी तक लगभग 30 करोड़ के फ्रॉड के सबूत मिले हैं। कार्रवाई के दौरान कुल 135 बैंक अकाउंट, 64 यूपीआई आईडी, 20 एटीएम सीज करवा दिया गया हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पुलिस थाना करधनी विहार क्षेत्र में बैंक खाते की खरीद फरोख्त, साइबर धोखाधड़ी करने वालों को बैंक खाता उपलब्ध कराने के संबंध में कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में फर्जी खाते मिले। इनका उपयोग साइबर फ्रॉड करने वाले कर रहे थे। इस पर कार्रवाई करते हुए जितेन्द्र कुमार अटल (24) निवासी सांभर जिला जयपुर हाल कालवाड़ रोड , रमेश चौधरी (26) निवासी फुलेरा जिला जयपुर हाल करधनी , रवि महावर (23) निवासी करधनी जयपुर और वेदप्रकाश भार्गव (46) निवासी चूरू हाल मुरलीपुरा को गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस थाना कालवाड़ ने करणी विहार क्षेत्र में ऑनलाइन धोखाधड़ी पर कार्रवाई की। यहां लोगों ने इंस्टाग्राम पर अलग-अलग नामों से खुद के और अन्य लोगों के फर्जी आईडी बना रखे थे। जो एस्ट्रोलॉजिस्ट (ज्योतिषी) बनकर लोगों की समस्याओं को हल करने का झांसा दे रहे थे। ऑनलाइन पुरुषों व महिलाओं से पूजा-पाठ करने के नाम से पैसा लिया जा रहा था। इस पर पुलिस ने विक्रम भार्गव (25) निवासी लक्ष्मणग ?, जिला सीकर, विकास कुमार (19) निवासी गंगाशहर जिला बीकानेर , सचिन भार्गव (22) निवासी फतेहपुर जिला सीकर को गिरफ्तार किया। हरमाड़ा थाना पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट व अन्य गेमों पर चल रहे सट्टे पर कार्रवाई की। यहां आरोपी ऑनलाइन गेमिंग साइट पर सट्टा विभिन्न आईडी की मदद से लगवा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गजेंद्र कुमार (30) निवासी हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया। बिंदायका थाना पुलिस ने क्षेत्र मे चल रहे ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के खिलाफ कार्रवाई की। रेड के दौरान सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन गेमिंग साइट पर सट्टा खिलवा रहे थे। इस पर टीम ने मौके से विष्णु सैनी (22) निवासी जयसिंहपुरा कच्ची बस्ती, गुरप्रताप सिंह (22) निवासी ग्राम सतकोहा पंजाब, गुरप्रीत सिंह (19) निवासी ग्राम सहारी गुरदासपुर पंजाब, रामरतन सैनी (25) निवासी ग्राम मोरीजा सामोद, कमलेश कुमार जाट (25) निवासी ग्राम खेड़ा कुंभोलाव टोंक, राकेश जाट (25) निवासी ग्राम खेड़ा कुंभोलाव टोंक, विशालदीप सिंह (22) निवासी ग्राम आलोवाल पंजाब्र और विनोद माहथा (40) निवासी ग्राम पटना झारखंड को गिरफ्तार किया है।

अदाणी ग्रुप ने विल्मर में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 4,850 करोड़ जुटाए

अहमदाबाद

गौतम अदाणी ग्रुप ने अपने जॉइंट वेंचर विल्मर में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 4,850 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह बिक्री अदाणी ग्रुप की विल्मर से बाहर निकलने की योजना का हिस्सा है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सहायक कंपनी अदाणी कमोडिटीज एलएलपी ने इस लेन-देन को पूरा किया। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, कंपनी ने 17.54 करोड़ शेयर गैर-खुदरा निवेशकों को ब्रिकी कर दिए। इसके अलावा, 13 जनवरी को खुदरा निवेशकों के लिए 275 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर शेयर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रक्रिया में 8.44 करोड़ अतिरिक्त शेयरों की बिक्री का विकल्प भी था, और अदाणी ग्रुप ने 1.51 प्रतिशत अतिरिक्त ओवरसब्सक्रिप्शन का विकल्प चुना, जिससे कुल बिक्री 19.50 करोड़ शेयरों तक पहुंच गई।

अदाणी ग्रुप ने इअब तक वित्त वर्ष 2024 में कुल 3.15 बिलियन डॉलर (करीब 25,000 करोड़ रुपये) की इक्विटी पूंजी जुटाई है, जो बताता हैं कि अडानी ग्रुप बाजार की परिस्थितियों के बावजूद पूंजी जुटाने में सक्षम है। विल्मर ने सार्वजनिक शेयरधारिता के न्यूनतम मानदंडों के तहत प्रमोटरों की हिस्सेदारी को 74.37 प्रतिशत तक घटा दिया है, जबकि 25.63 प्रतिशत हिस्सेदारी अब सार्वजनिक निवेशकों के पास है। अदाणी ग्रुप ने पहले ही घोषणा की थी कि वह विल्मर में अपनी 44 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 2 बिलियन डॉलर से अधिक जुटाने की योजना बना रहा है। इसके तहत विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड ने अदाणी की 31 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने पर सहमति व्यक्त की है। विल्मर, भारत के 30,600 से अधिक ग्रामीण कस्बों में मौजूदगी के साथ, खाद्य तेल और अन्य उत्पादों का वैश्विक स्तर पर 30 से अधिक देशों में निर्यात करता है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत में स्टार्टअप्स की संख्या में वृद्धि, डीपीआईआईटी ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली। भारत में उद्यमिता और स्टार्टअप्स की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारतीय स्टार्टअप्स के प्रदर्शन के आंकड़े जारी किए। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत भारत में पंजीकृत स्टार्टअप्स की संख्या 2016 से लेकर अब तक 400 से बढ़कर 2024 के अंत तक 1.57 लाख से अधिक हो गई है। इसके साथ ही स्टार्टअप नीति बनाने वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की संख्या 2016 में 4 से बढ़कर 31 हो गई है। फंडिंग क्षेत्र में भी बड़ा उछाल देखा गया है, जो 2016 में 8 बिलियन यूएसडी से बढ़कर अब 115 बिलियन यूएसडी तक पहुंच गया है। इसके साथ ही भारतीय स्टार्टअप्स ने 1.7 मिलियन से अधिक रोजगार सृजित किए हैं। भारत के 750 से अधिक जिलों में लोग स्टार्टअप्स चला रहे हैं, जबकि पहले ये संख्या सिर्फ 120 थी। सरकार ने स्टार्टअप्स को और भी सुविधाएं देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना, क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स, 3 साल तक आयकर छूट और बौद्धिक संपदा संरक्षण भी शामिल है। स्टार्टअप्स इंटर-मंत्रालयी बोर्ड प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले स्टार्टअप्स को आयकर छूट की सुविधा भी प्रदान की गई है।

जेबीएम ऑटो लिमिटेड के स्टॉक स्प्लिट के बावजूद शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली। जेबीएम ऑटो लिमिटेड ने अपने स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट घोषित कर दी है, लेकिन इसके बावजूद कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। पिछले दिन बीएसई पर जेबीएम ऑटो के शेयर 1.5 फीसदी की गिरावट के साथ 1,470 पर बंद हुए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन घटकर 17,383 करोड़ रुपए पर आ गया। बीएसई पर दिनभर के दौरान 7,801 शेयरों का लेन-देन हुआ, जिससे 1.15 करोड़ रुपए का कुल टर्नओवर हुआ। कंपनी ने बताया कि उसने 31 जनवरी 2025 को रिकॉर्ड डेट के रूप में तय किया है। यह डेट उन शेयरधारकों की पहचान के लिए होगी, जो स्टॉक स्प्लिट का लाभ उठा पाएंगे। सितंबर 2024 तिमाही के दौरान जेबीएम ऑटो ने 1,286 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 1,231 करोड़ रुपए था। कंपनी का मुनाफा भी 44 करोड़ रुपए से बढ़कर 49 करोड़ रुपए हो गया, जो इसके स्थिर प्रदर्शन का संकेत देता है। जेबीएम ऑटो मुख्य रूप से ऑटोमोटिव सिस्टम्स के निर्माण में सक्रिय है।

टाटा टैक्सी की तीसरी तिमाही में कमजोर प्रदर्शन के कारण निवेशक निराश

नई दिल्ली । टाटा एलेक्सी ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में एक कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया है, जिसने न केवल बाजार की उम्मीदों को तोड़ा बल्कि निवेशकों को भी निराश कर दिया है। ब्रोकरेज फर्म टाटा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने स्टॉक पर अपनी सेल रेटिंग बनाए रखते हुए इसकी फेयर वैल्यू को 5,600 रुपए से घटाकर 5,400 रुपए कर दिया है। 10 जनवरी को टाटा एलेक्सी का शेयर 6,004 रुपए पर बंद हुआ, जो कंपनी के लिए नकारात्मक संकेत है। कमजोर परिणामों के बीच कंपनी के प्रमुख वर्टिकल्स में सुस्ती, मार्जिन में गिरावट और ऑटोमोटिव क्षेत्र में चुनौतियों ने निवेशकों के लिए चिंता बढ़ा दी है। एलेक्सी की तीसरी तिमाही का प्रदर्शन उम्मीदों से काफी कमजोर रहा है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में थोड़ी सी बढ़त के अलावा, ऑटोमोटिव और मीडिया जैसे मुख्य वर्टिकल्स में गिरावट देखने को मिली। एबिट मार्जिन में 160 बेसिस पॉइंट की गिरावट आई, जो तिमाही दर तिमाही घटकर 23.5 फीसदी रह गया है। कंपनी का कहना है कि ऑटोमोटिव वर्टिकल में चुनौतियों की वजह से निकट भविष्य में परफॉर्मेंस में सुधार की संभावना कम है, हालांकि बाकी क्षेत्रों में कुछ सुधार की उम्मीद है। कंपनी का राजस्व इस तिमाही में लगभग स्थिर रहा है, सालाना आधार पर इसमें केवल 2 फीसदी की मामूली वृद्धि दर्ज हुई है। रिपोर्ट किए गए राजस्व 110.7 मिलियन डॉलर रहे, जो पिछली तिमाही से 2.9 फीसदी कम हैं।

पिछले साल देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में आया 11.4 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश : सीबीआरई

वित्त वर्ष 2024 में कुल इक्विटी निवेश में इसकी हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही

नई दिल्ली

भारतीय रियल एस्टेट में पिछले वर्ष 11.4 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश आया। यह सालाना आधार पर 54 प्रतिशत अधिक है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी सीबीआरई ने कहा कि इसमें सबसे ज्यादा निवेश डेवलपर्स और संस्थागत निवेशकों ने किया है। सीबीआरई ने एक रिपोर्ट में कहा कि इक्विटी निवेश में वृद्धि भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ रियल एस्टेट के सभी परिसंपत्ति वर्गों के विकास में हुई है। घरेलू निवेश सबसे अधिक रहा। वित्त वर्ष 2024 में कुल इक्विटी निवेश में इसकी हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही। सिंगापुर, अमेरिका और कनाडा ने 2024 में भारतीय रियल एस्टेट में कुल इक्विटी निवेश में 25 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया। पूंजी प्रवाह में डेवलपर्स सबसे आगे रहे, जिनकी हिस्सेदारी 2024 में कुल इक्विटी निवेश का लगभग 44 प्रतिशत रही। इसके बाद संस्थागत निवेशक 36 प्रतिशत, निगम 11 प्रतिशत, रीट चार प्रतिशत और अन्य श्रेणियां लगभग पांच प्रतिशत रहीं। सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि हमें निवेश गतिविधि, विशेष रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और आवासीय विकास स्थलों में निरंतर गति देखने की उम्मीद है।

किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड पर मिल सकता है 5 लाख तक उधार, वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में बड़ा ऐलान संभव

नई दिल्ली । किसानों के लिए एक अच्छी खबर आ रही है। सरकार की ओर से किसान क्रेडिट कार्ड के तहत उधार की सीमा बढ़ाने की योजना है, जिसके अनुसार जल्द ही यह सीमा 5 लाख रुपये की जा सकती है। एक सूत्र ने बताया कि अगले बजट में सरकार 3 लाख से 5 लाख रुपये की मौजूदा सीमा को बढ़ाने की योजना बना रही है। यह प्रस्ताव वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश किया जाएगा। किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड योजना जो 1998 में शुरू हुई थी, खेती और उससे जुड़ी गतिविधियों में लगे किसानों को 9 फीसदी ब्याज दर पर अल्पकालिक फसल ऋण प्रदान करती है। सरकार किसानों को ब्याज पर 2 फीसदी छूट और समय पर अदायगी करने वालों को 3 फीसदी की कमी में प्रोत्साहित करती है। इस तरह किसानों को सालाना 4 फीसदी ब्याज दर पर कर्ज मिलता है। एक विशेषज्ञ के मुताबिक यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कदम हो सकता है जो खेती के इलावा पशुपालन और मत्स्यपालन जैसी गतिविधियों में व्यस्त हैं। इस प्रस्ताव से कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। नाबार्ड के चेयरमैन ने इस सीमा वृद्धि की महत्वता पर चर्चा की। उनका कहना है कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना छोटे किसानों को भी समाहित करने के लिए है और विभिन्न सेक्टरों में उन्हें शामिल करने में मदद करेगी। केंद्र भी इसे वांछित बनाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। यह प्रस्ताव किसानों के लिए अधिक कारगर बनाने के लिए बनाया जा रहा है।

भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बना रहा : अश्विनी वैष्णव

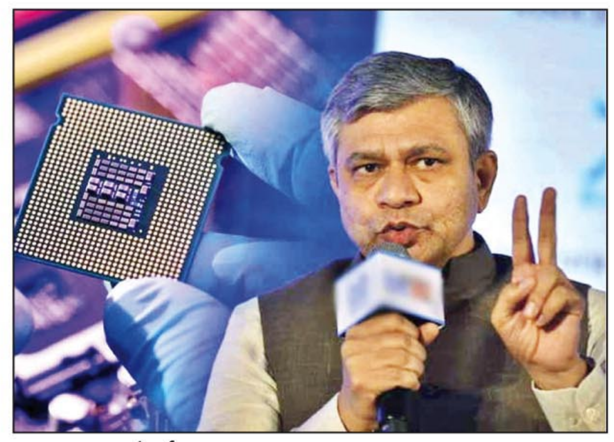

चेन्नई

केंद्रीय रेल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बना रहा है। यह बयान केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड और एमएसआई की लैपटॉप असेंबली लाइन का उद्घाटन करते हुए दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस प्लांट को देखकर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है, विशेष रूप से असेंबली लाइन पर काम करने वाली युवा महिलाओं की तकनीकी दक्षता देखकर काफी खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, ग्रामीण इलाकों से आने वाली इन महिलाओं को हाई-टेक मशीनों पर काम करते देखना प्रेरणादायक है। यह पहल भारत के मेक इन इंडिया अभियान को मजबूत करने और देश को तकनीकी नवाचार में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से की गई है।

सिरमा एसजीएस ने भारत में लैपटॉप निर्माण के लिए एमएसआई के साथ साझेदारी की है, इससे यह भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को एक नई दिशा देगा। यह परियोजना विशेष रूप से युवाओं के लिए रोजगार के मौके पैदा करेगी और भारत के तकनीकी क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगी। सिरमा एसजीएस के सीईओ सतेंद्र सिंह ने एक मील का पत्थर बताकर कहा कि यह आईटी हार्डवेयर निर्माण के क्षेत्र में नई संभावनाओं को खोलेगा। एमएसआई इंडिया के महाप्रबंधक जॉन हंग ने भी साझेदारी पर खुशी जताकर कहा कि भारत उनके लिए हमेशा एक प्रमुख बाजार रहा है। उन्होंने बताया कि इस सहयोग से भारत में उनकी उपस्थिति और मजबूत होगी। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि यह पहल भारत को प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन की ओर एक कदम और करीब ले जाएगी और वैश्विक स्तर पर देश की स्थिति को मजबूती प्रदान करेगी। इस परियोजना से भारत में लैपटॉप की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, जिससे भारतीय बाजार में उत्पादों की उपलब्धता में वृद्धि होगी और आयात पर निर्भरता कम होगी।

ब्रुसेल्स मोटर शो

बेल्जियम में ब्रुसेल्स मोटर शो 2025 के दौरान एक एमजी साइबरस्टर को देखा गया। ब्रुसेल्स मोटर शो का 101वां संस्करण शुक्रवार को शुरू हुआ, जिसमें कार उत्साही लोगों को नवीनतम ऑटोमोटिव नवाचारों और रुझानों का पता लगाने का अवसर मिला।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना 250 रुपये से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये से लेकर 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये से लेकर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत बढ़ कर 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के लिए बड़े पैमाने पर जुटाया जा रहा फंड

अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों ने अपनी झोली खोली

वाशिंगटन

अमेरिका में 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। इस समारोह के लिए बड़े पैमाने पर फंड जुटाया जा रहा है, जिसमें अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों ने अपनी झोली खोल दी है। विमानन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बोइंग ने शपथ ग्रहण समारोह के लिए बनाए गए फंड में 10 लाख डॉलर (लगभग 8.62 करोड़ रुपए) का योगदान दिया है। इसके साथ ही गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियां भी इस सूची में शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, तेल उत्पादक कंपनी शेवरॉन, उबर और कार निर्माता कंपनियों फोर्ड, जनरल मोटर्स और टोयोटा ने भी 10-10 लाख डॉलर का दान दिया है। हालांकि शेवरॉन ने फंड में योगदान की राशि का खुलासा करने से इनकार कर दिया। बोइंग ने कहा कि यह परंपरा पहले से चली आ रही है और कंपनी ने पिछले तीन राष्ट्रपति शपथ ग्रहण समारोहों में भी इसी तरह का दान दिया था। इस बार का शपथ ग्रहण समारोह खास इसलिए भी है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव में कड़ी टक्कर के बाद डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस को हराया है। शुरुआत में जो बाइडन डेमोक्रेट उम्मीदवार थे, लेकिन चुनाव से कुछ समय पहले कमला हैरिस को मैदान में उतारा गया। बोइंग, जो अगला राष्ट्रपति विमान एयर फोर्स वन बना रही है, उम्मीद करती है कि ये विमान अगले साल सेवा में आ जाएंगे। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में इस प्रोजेक्ट को महंगा बताते हुए इसके अनुबंध पर दोबारा बातचीत की थी। गूगल और मेटा ने भी अपने योगदान की घोषणा की है और गूगल ने इस आयोजन की लाइव स्ट्रीमिंग का जिम्मा लिया है।

ऐपल ने 185 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का ऐलान किया, 80जी जैसे फ्रॉड में शामिल हैं कई भारतीय

नई दिल्ली। ऐपल ने करीब 185 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का ऐलान किया है। यह कदम कंपनी के मैचिंग ग्रांट्स प्रोग्राम में हुई धोखाधड़ी के बाद उठाया गया है। कर्मचारियों में कई भारतीय भी शामिल हैं, जिन्होंने तेलुगु चैरिटी संगठनों के माध्यम से इस घोटाले का सामना किया। इस मामले में ऐपल के इस धर्मार्थ संसार में आयकर छूट का किया गया दुरुपयोग भारत में होने वाले 80जी घोटाले की याद दिलाता है। आयकर अधिनियम 1961 के अंतर्गत करदाताओं को धर्मार्थ संस्थानों के लिए धन दान करने पर टैक्स छूट की अनुमति है, जिसका दुरुपयोग कई कर्मचारी कर रहे होंगे। अमेरिका में ऐपल को तीन साल में लगभग 1.52 लाख डॉलर का नुकसान हुआ है। छह लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें कवान नामक व्यक्ति को मुख्य आरोपी बताया गया है। उन्होंने होप4किडस और एसीआईसीई के साथ जुड़कर कर्मचारियों को धोखा दिया। ऐपल ने इस मामले पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन उसके सामने सीएसआर प्रोग्राम्स में और सख्त निगरानी की मांग है। घटना ने समाज में उठाए जा रहे सरकारी संबंधों पर सवालों को उठाया है और इससे कर्मचारियों के लिए मामले की सार्वजनिक होने की अधिक आवश्यकता है।

खो खो विश्व कप 2025 के लिए दिल्ली पहुंची श्रीलंका और पेरू की टीमें, 14 टीमों का होगा आगमन

नई दिल्ली

उद्घाटन खो खो विश्व कप 2025 के लिए दुनिया भर से टीमों का दिल्ली पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। खो खो विश्व कप का आयोजन इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम 13-19 जनवरी तक होना है।

श्रीलंका और पेरू की टीमें आ चुकीं हैं और चौदह और टीमें पहुंचने वाली हैं।

एशियाई दल उल्लेखनीय ताकत दिखा रहा है, जिसमें ईरान, मलेशिया, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, नेपाल और दक्षिण कोरिया टूर्नामेंट में अपने अद्वितीय एथलेटिक दृष्टिकोण ला रहे हैं। क्षेत्र की खेल विरासत से परिचित इन टीमों से पुरुष और महिला दोनों वर्गों में कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद है।

पश्चिमी दिग्गज भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो अपनी एथलेटिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, अपरिचित खेल क्षेत्र में इस आकर्षक उद्यम में यूरोपीय दिग्गज पोलैंड, नीदरलैंड और जर्मनी के साथ शामिल हो गया है। उनके आगमन से टूर्नामेंट में एक रोमांचक आयाम जुड़ गया है।

दक्षिण अफ़्रीका, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मैदान में शामिल होने से दक्षिणी गोलार्ध का अच्छा प्रतिनिधित्व है। अर्जेंटीना की भागीदारी खेल में दक्षिण अमेरिकी भागीदारी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जबकि इंग्लैंड की उपस्थिति टूर्नामेंट की प्रतिष्ठित प्रोफ़ाइल को जोड़ती है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए एक शानदार मैदान में बदल दिया गया है। पारंपरिक भारतीय सजावटी तत्व आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे के साथ सहजता से मिश्रित होते हैं, जिससे एक ऐसा माहौल तैयार होता है जो खेल की प्राचीन जड़ों और इसकी आधुनिक वैश्विक अपील दोनों का सम्मान करता है। 20 पुरुष टीमों और 19 महिला टीमों के भाग लेने के साथ, यह टूर्नामेंट एथलेटिकिज्म, रणनीति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक शानदार प्रदर्शन होने का वादा करता है। आयोजन समिति ने एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए हैं, स्टेडियम को भाग लेने वाले देशों के रंगों से सजाया गया है और अत्याधुनिक सुविधाएं एथलीटों का इंतजार कर रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

गंभीर पर भड़के मनोज तिवारी, आईपीएल तक ठीक...लेकिन टीम इंडिया का कोच बनाना गलत फैसला

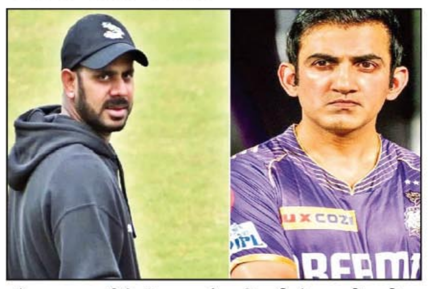

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना कर कहा है कि वे राष्ट्रीय टीम के लिए कोच के रुप में ठीक नहीं हैं। तिवारी ने तंज कर कहा है कि गंभीर केवल आईपीएल फ्रेंचाइजियों को सलाह देने के लिए ही ठीक हैं। आईपीएल परिणाम देखकर उन्हें मुख्य कोच नियुक्त करने का निर्णय गलत था। गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम को कोई सफलता नहीं मिली है। भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय सीरीज हार गई। इसके बाद घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ वह टीम को तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा। वहीं टीम को एक दशक के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी हार का सामना करना पड़ा है। तिवारी ने कहा कि परिणाम देखकर आप सभी समझ सकते हैं। वे राहुल द्रविड़ द्वारा किए गए अच्छे काम को आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं हैं। अब टीम को ट्रैक पर आने या जीत की राह पर आने में बहुत समय लगेगा क्योंकि मुझे उनके भारतीय टीम को कोचिंग देने के पीछे कोई अनुभव नहीं दिखता है। मुझे नहीं लगता कि उनके पास कोचिंग का कोई अनुभव है। लेकिन तिवारी का मानना है कि वीवीएस लक्ष्मण और साईराज बहुतुले जैसे कोचिंग में पर्याप्त अनुभव वाले लोग कोच की के लिए आदर्श विकल्प थे। उन्होंने कहा कि ये लोग इतने सालों से एनसीए के साथ हैं। जब राहुल द्रविड़ उपलब्ध नहीं थे, तो यह ही अगले कोच की कतार में थे। प्रक्रिया के बीच में गंभीर कैसे आए, कोई नहीं जानता। इसलिए इस प्रकार के विपरीत परिणाम सामने आए। तिवारी ने कहा कि जब कोई ऐसा व्यक्ति आता है जिसके पास कोई अनुभव नहीं है और वह काम करता है और उसे जानते हुए भी, एक व्यक्ति के रूप में वह कितना आक्रामक है, तो इस प्रकार के परिणाम आना तय है।

मलेशिया ओपन सेमीफाइनलः सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिली हार

कुआलालंपुर। भारत की विश्व नंबर 9 पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सफर मलेशिया ओपन 2025 के सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। शनिवार को खेले गए मुकाबले में उन्हें दक्षिण कोरिया की किम वोन हो और सियो सेउंग जे की जोड़ी से शिकस्त का सामना करना पड़ा। दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को दमदार प्रदर्शन के बावजूद सीधे सेटों में हराया। भारतीय जोड़ी ने धीमी शुरुआत की और शुरुआती गेम में 6-11 से पिछड़ गई। कोरियाई खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत शुरुआत का फायदा उठाते हुए पहला गेम केवल 19 मिनट में 21-10 से जीत लिया। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी दूसरे गेम में आधे समय तक 11-8 से आगे थी। हालाँकि, भारतीय अपनी बढ़त का लाभ नहीं उठा सके और दूसरा सेट भी 15-21 से हार गए। इस तरह भारतीय जोड़ी को 21-10, 21-15 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ सात्विक और चिराग का इस टूर्नामेंट में पहला खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। सात्विक-चिराग की जोड़ी, जो अपनी आक्रामक शैली के लिए जानी जाती है, ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

आयरलैंड के खिलाफ स्मृति मंधाना ने अपने नाम किया ये रिकॉर्ड

राजकोट। शीर्ष क्रम की बेहतर बल्लेबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने 3 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की पहली सीरीज में आयरलैंड को छह विकेट से हराया। मेजबान टीम ने 50 ओवरों में 238/7 रन बनाए थे। जवाब में प्रतिका रावल (89) और तेजल हसब्निस (नाबाद 53) ने मिलकर 116 रनों की साझेदारी कर भारत को 241/4 तक पहुंचाया और मैच 93 गेंद शेष रहते जीत लिया। यह कप्तान स्मृति मंधाना के लिए भी एक ऐतिहासिक पल था, क्योंकि वह महिला क्रिकेट में 4,000 रन के मील के पत्थर तक पहुंचने वाली सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज और कुल मिलाकर तीसरी सबसे तेज खिलाड़ी बनी। स्मृति ने 95 खेलों में यह मुकाम हासिल किया। इसके पहले आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। सलामी बल्लेबाज सारा फोर्ब्स (9) और गैबी लुईस (92) ठोस शुरुआत करते दिख रहे थे, लेकिन पांचवें ओवर में सारा तितास साधु के हाथों हार गईं। ऊना रेमंड-होए (5), ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (9) और लौरा डेलानी (0) के विकेट जल्द गिरे और स्कोर 56/4 हो गया। लेह पॉल ने 73 गेंदों पर 59 रन बनाए। दीप्ति शर्मा ने लुईस की पारी का अंत किया। क्रिस्टीना कूल्टर रीली (नाबाद 15) और अर्लीन केली (28) ने स्कोर 238/7 तक पहुंचाया।

महिला हॉकी इंडिया लीग आईपीएल जैसा ही प्रभाव डालेगी : रानी रामपाल

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल को उम्मीद है कि महिला हॉकी इंडिया लीग (डब्ल्यूएचआईएल) युवा लड़कियों के लिए ब्रिस्बेन और उसके बाहर 2032 ओलंपिक के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मंच तैयार करेगी। हाल ही में रोहतक में साई मीडिया से बात करते हुए, रानी को लगता है कि महिला एचआईएल का पहला संस्करण महिला हॉकी को उसी तरह बढ़ाएगा जैसे महिला प्रीमियर लीग ने महिला क्रिकेट के लिए किया था।

रांची में 12 से 26 जनवरी के बीच होने वाली पहली महिला हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में चार टीमें दिल्ली एसजी पाइपर्स, ओडिशा वॉरियर्स, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब शामिल हैं।

रानी रामपाल पंजाब के सूरमा हॉकी क्लब की मेंटर और कोच के रूप में काम करेंगी। सहायक स्टाफ के रूप में यह उनका पहला कार्यकाल होगा। हरियाणा की 30 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, को लगता है कि एचआईएल सही समय पर आई है जब महिला हॉकी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई नहीं करने के बाद बदलाव की कोशिश कर रही है।

रानी ने साई मीडिया से कहा,इस बार केवल चार टीमें हो सकती हैं लेकिन लीग शुरू होने में काफी समय लग गया है। इसके लिए हॉकी इंडिया की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो और पेरिस में ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक जीते क्योंकि इसकी नींव वर्षों पहले पुरुष हॉकी इंडिया लीग द्वारा रखी गई थी। अब महिला एचआईएल की शुरुआत के लिए धन्यवाद, हमें 2032 और 2036 ओलंपिक में कई प्रतिभाशाली युवा महिलाओं को अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते देखने को मिलेगा। यह मंच बेहद उपयोगी साबित होगा।

एचआईएल की शुरुआत 2013 में छह पुरुष टीमों के साथ हुई थी। बड़े पैमाने पर व्यावसायिक कारणों से बंद होने से पहले इसे पांच साल तक खेला गया था। इसे सात साल बाद एक अतिरिक्त महिला लीग के साथ पुनर्जीवित किया गया।

महिला क्रिकेट की प्रमुखता के संदर्भ में महिला इंडियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की सफलता को याद करते हुए रानी ने आगे कहा, महिला क्रिकेट के बारे में कोई भी ज्यादा नहीं जानता था, लेकिन अब आप देख रहे हैं कि यह खेल देश में इतना लोकप्रिय कैसे हो गया है। महिला आईपीएल (डब्ल्यूपीएल) के माध्यम से लोगों को इसके बारे में पता चला और उन्होंने इस खेल का अनुसरण करना शुरू कर दिया।

रानी ने वॉल श्रीजेश को भारतीय जूनियर हॉकी टीम के कोच के रूप में सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

उन्होंने कहा, श्रीजेश के पास लगभग 20 वर्षों का अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। जूनियर टीम बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी क्योंकि उन्हें पता चल जाएगा कि उच्च स्तरीय दबाव की स्थिति में कैसे प्रदर्शन करना है।

कोचिंग मानसिकता के बारे में बात करते हुए रानी ने कहा कि उनमें और श्रीजेश में कुछ चीजें समान हैं। उन्होंने कहा, मैं महिला एचआईएल के दौरान युवाओं के साथ भी वही ज्ञान और अनुभव साझा करना चाहती हूं ताकि उन्हें भावनात्मक और मानसिक रूप से मदद मिल सके। हमें उनमें से सर्वश्रेष्ठ लाना होगा।

तमीम इकबाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की।

तमीम की घोषणा बांग्लादेश चयन पैनल द्वारा आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए खुद को उपलब्ध रखने के लिए कहने के बाद आई है।

तमीम ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा, मैं लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हूं। वह दूरी बनी रहेगी. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मेरा अध्याय ख़त्म हो गया है। मैं काफी समय से इस बारे में सोच रहा था. अब जब चैंपियंस ट्रॉफी जैसा बड़ा आयोजन आ रहा है, तो मैं किसी का ध्यान उस पर केंद्रित नहीं करना चाहता, जिससे टीम अपना फोकस खो सकती है बेशक, मैं पहले भी ऐसा नहीं चाहता था। उन्होंने कहा, कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने ईमानदारी से मुझसे टीम में लौटने के लिए कहा। चयन समिति से भी चर्चा हुई. मुझे अभी भी टीम में मानने के लिए मैं उनका आभारी हूं। हालाँकि, मैंने अपने दिल की बात सुनी है।

तमीम ने फरवरी 2007 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने जल्द ही सभी प्रारूपों में अपनी छाप छोड़ी और खुद को बांग्लादेश टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक के रूप में स्थापित किया।

बाएं हाथ का बल्लेबाज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मुश्फिकुर रहीम के बाद बांग्लादेश के लिए दूसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी है। तमीम के नाम सभी प्रारूपों में बांग्लादेशी बल्लेबाज के रूप में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय शतक भी हैं।

उन्होंने बांग्लादेश के लिए 70 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें 10 शतक और 206 रनों के सर्वोच्च स्कोर के साथ उन्होंने 5134 रन बनाए हैं। 243 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 8357 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 158 है।

वहीं, उन्होंने 78 टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया है और एक शतक के साथ 1758 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रन है।

ओपन गोल्फ़ टूर्नामेंट

होनोलुलु, हवाई, यूएसए ; वैयाले कंट्री क्लब में सोनी ओपन गोल्फ़ टूर्नामेंट के दूसरे दौर के दौरान 16वें होल पर पैट्रिक फिशबर्न ने अपना फ़ेयरवे बंकर शॉट मारा।

पंजाब एफसी ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से छीनी जीत, ड्रा कराया मैच

गुवाहाटी

पंजाब एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में पहली बार ड्रा खेलकर लगातार चार मैचों के हार के सिलसिले को आखिरकार तोड़ दिया। पंजाब ने अंतिम समय में हुए गोल की मदद से शुक्रवार को इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए आईएसएल 2024-25 मुकाबले में मेजबान नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

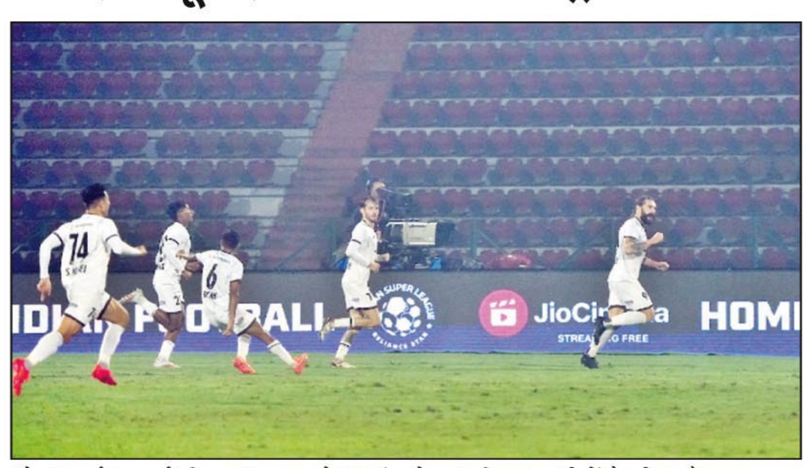

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के लिए मोरोक्कन विंगर अलाएद्दीन अजारेई ने 24वें मिनट में सीजन का अपना 15वां गोल किया जबकि पंजाब एफसी की ओर से मिडफील्डर खैमिंथांग लहुंगडिम ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया।

इस मुकाबले में रैफरी तेजस नागवेंकर ने दोनों हेड कोचों जुआन पेड्रो बेनाली और पेनागियोटिस दिलमपेरिस को डबल येलो (रेड कार्ड) कार्ड दिखाए। उन्होंने कुल 14 येलो कार्ड दिखाए। पंजाब एफसी के बोस्नियाई लेफ्ट-विंगर अस्मिर सुल्जीक को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

हाईलैंडर्स के हाथ से जीत फिसलने से स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली निश्चित रूप से निराश होंगे। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 15 मैचों में छह जीत, पांच ड्रा और चार हार से 23 अंक लेकर तालिका में छठे से पांचवें स्थान पर आ गई है। वहीं, पंजाब एफसी द्वारा पिछड़ने के बाद बराबरी हासिल करने से ग्रीक हेड कोच पेनागियोटिस दिलमपेरिस जरूर राहत महसूस कर रहे होंगे। पंजाब एफसी 14 मैचों में छह जीत, एक ड्रा और सात हार से 19 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर बनी हुई है।

यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच चौथा मुकाबला था और दूसरा ड्रा खेला गया। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने एक बार जीत हासिल की है जबकि पंजाब एफसी ने एक मैच जीता है। इस परिणाम के साथ ही नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने इस सीजन में दोनों टीमों के बीच मुकाबलों में पलड़ा अपने पक्ष में रखा है, क्योंकि हाईलैंडर्स ने इस सीजन में दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला 2-1 से जीता था।

श्रीलंका दौरे के लिए 100 प्रतिशत फिट हो जाऊंगा : नाथन लियोन

मेलबर्न

अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने पुष्टि की है कि वह ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे के दौरान दो टेस्ट खेलने के लिए 100 प्रतिशत फिट होंगे। श्रीलंका दौरा 29 जनवरी से शुरू होगा। श्रीलंका दौरे के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का अंतरिम कप्तान नियुक्त किया गया है।

स्मिथ पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम का नेतृत्व करेंगे, जो पितृत्व अवकाश पर हैं और हाल ही में घरेलू गर्मी के दौरान टखने की हल्की समस्या से उबर रहे हैं। युवा स्पिनर टॉड मर्फी और मैथ्यू कुह्नमैन के साथ नाथन लियोन भी टीम का हिस्सा हैं। उम्मीद है कि यह तिकड़ी श्रीलंका की टर्निंग पिचों पर अहम भूमिका निभाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान लियोन को कूल्हे में दर्द की समस्या का सामना करना पड़ा और उन्होंने 36.88 की औसत से नौ विकेट लिए।

लियोन ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के हवाले से कहा, यह समझाना कठिन है; मैं चिकित्सीय दृष्टि से बहुत अच्छा नहीं हूं।

यह मेरे कूल्हे में एक छोटे बर्सा [द्रव की थैली] की तरह है। मैंने इसे बढ़ा दिया और यह दर्दनाक रहा है।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद मेरा स्कैन हुआ। सभी चीजें ठीक चल रही हैं, यह ठीक हो रहा है। मैंने शुक्रवार को दौड़ और जिम सत्र किया। मैं संपर्क से बचने की कोशिश कर रहा हूं। मैं 100 प्रतिशत फिट हो जाऊंगा।

लियोन, जिन्होंने 2016 में कोलंबो टेस्ट के दौरान 87 ओवर फेंके थे, उन्हें टर्निंग ट्रैक की नहीं, बल्कि कुछ अच्छे क्रिकेट विकेट की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, मैंने मूल रूप से सोचा था कि यह स्पिन के अनुकूल होगा, लेकिन मुझे लगता है कि यह 2022 में दूसरे टेस्ट के समान होगा जब दिनेश चंडीमल ने 206 रन बनाए थे। यह कठिन काम होगा, लेकिन मुझे संदेह है कि हम पांच स्पिनर के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, मैंने मूल रूप से सोचा था कि यह स्पिन के अनुकूल होगा, लेकिन मुझे लगता है कि यह 2022 में दूसरे टेस्ट के समान होगा जब दिनेश चंडीमल ने 206 रन बनाए थे। यह कठिन काम होगा, लेकिन मुझे संदेह है कि हम पांच स्पिनर खेलेंगे।.134 मैचों में 30.39 के औसत से 539 विकेट और 5/39 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ, लियोन टेस्ट में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और उनके नाम 24 बार पांच विकेट और पांच बार दस विकेट हैं।

श्रीलंका में, लियोन ने 32.02 की औसत से 35 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/34 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े और आठ मैचों में दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा उनके नाम है।

सौंदर्य

स्किन टैग को खत्म करें ये टिप्स

शरीर या चेहरे के किसी हिस्से पर मौजूद स्किन टैग, तिल, ब्लैकहेड्स, स्पॉट और मस्से आपकी सुंदरता को बिगाड़ देते है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ इनकी गिनती भी बढ़ती जाती है। इनसे छुटकारा पाने के लिए बहुत सी लड़कियां सर्जरी या मंहगे ब्यूटी ट्रीटमेंट का सहारा लेती है लेकिन इसका अच्छा असर दिखने की बजाए कई साइड-इफेक्ट्स नजर आने लगते है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान तो हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते है।

मस्सेः- मस्से की समस्यां को दूर करने के लिए एक सोक्ड बेंडेज पर

एप्पल साइडर सिरका लगाकर हफ्ते में 2 बार मस्से पर लगाएं। इसके बाद पिमिस स्टेन की मदद से इसे निकाल दें। 1 हफ्ते में ही आपको मस्से से छुटकारा मिल जाएगा।

स्किन टैग्सः कॉटन की मदद से लगातार दिन में 2 स्किन टैग्स पर एप्पल साइडर सिरका लगाएं। लगातार 10 दिन तक इसे लगाने से स्किन टैग्स झड़ जाएंगे।

तिलः अनचाहें तिल से छुटकारा पाने के लिए दिन में 4 घंटे रोजाना

लहसुन पीस कर लगाएं। कुछ ही दिनों में तिल गायब हो जाएंगे।

ब्लैकहेड्सः ब्लैकहेड्स को दूर करने के लिए चेहरे पर स्टीम लेकर 5 मिनट तक शहद लगा लें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो कर साफ करें। रोजाना 1 हफ्ते तक इसका इस्तेमाल ब्लैकहेड्स को हमेशा के लिए गायब कर देगा।

स्पॉटः ब्लैक स्पॉट के लिए नींबू के रस को रोजाना चेहरे पर लगाएं। नेचुरल ब्लीच की तरह काम करने वाला नींबू के रस आपको चेहरे के भद्दे स्पॉट से छुटकारा मिल जाएगा।

यह है कपल्स के बीच डिवॉर्स की बड़ी वजह

शादी के बाद जल्द ही डिवॉर्स लेने के केसेज अब बढ़ रहे हैं। यूं तो इसकी कई वजहें हैं लेकिन एक कॉमन रीजन है कपल्स के बीच पैसों का झगड़ा। अक्सर देखा गया है कि कपल्स पर्सनल खर्चों और सेविंग से जुड़ी बातें एक-दूसरे से शेयर ही नहीं करते। यही बात आगे चलकर उनके बीच मनमुटाव का कारण बन जाती है। लेकिन अगर सही मनी मैनेजमेंट के साथ ही थोड़ी सी ट्रांसपैरेसी बरती जाए, तो रिश्ता अच्छा होगा।

मंथली बजट

मनी मैनेजमेंट की शुरुआत करने का सबसे अच्छा तरीका मंथली बजट बनाना है। इसमें आप अपने सभी जरूरी खर्चे लिखें। इसके बाद आपको सिर्फ बचे हुए पैसे को इन्वेस्ट करने के बारे में सोचना होता है। हालांकि यह पैसा तब बचेगा, जब आप फिजूलखर्ची से दूर रहें। मंथली बजट से आपको पता रहेगा कि किन चीजों पर खर्च करना और कहां आप लिमिट क्रॉस कर रहे हैं। साथ ही इससे साथी के सामने आपका खर्चा पारदर्शी भी रहेगा।

चेक एंड बैलेंस

अगर आप पर्सनल फाइनैंस मैनेज करते हैं, तो खर्च पर चेक एंड बैंलेंस की पॉलिसी अपनाएं। अगर हजबैंड ज्यादा खर्च करता है, तो उसको उसी समय पर बताना जरूरी है कि वह बजट और जरूरत से अधिक खर्च कर रहा है। अगर वाइफ अधिक खर्च करती है, तो हसबैंड का फर्ज बनता है कि वह उसे कंट्रोल करे। ऐसे में खर्चे पर कंट्रोल करना आसान हो सकता है।

सेविंग फंड बॉक्स

अगर आपने किसी काम के लिए कोई अमाउंट फिक्स किया है लेकिन खर्चा उससे कम होता है, तो उस पैसे को फालतू उड़ाने की जगह सेविंग फंड बॉक्स में डाल दें। इस बॉक्स को उस अमाउंट के लिए ही यूज करें, जो आप इस तरह इधर-उधर से बचा पाते हैं।

शेयर करें

समय-समय पर दोनों मिलकर बात करें। एक-दूसरे के खर्चों, तरीकों और फ्यूचर इन्वेस्टमेंट के बारे में एक-दूसरे को बताएं। इससे आपसी अंडरस्टैंडिग बढ़ेगी।

इन्वेस्टमेंट

आप जितना पैसा इन्वेस्ट करेंगे, आगे उसकी वैल्यू बढ़ना तय है। ये इन्वेस्टमेंट किसी पॉलिसी या सेविंग सर्टिफिकेट के रूप में हो सकता है।

डिसेबल हो बच्चा तो जरूर दें ये स्पेशल ट्रीटमेंट

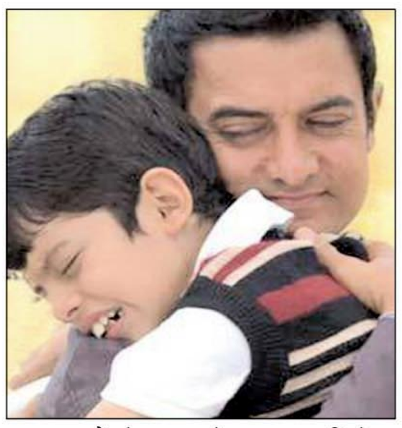

1992 से संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 3 दिसंबर को वर्ल्ड डिसेबिलिटी-डे मनाता और उसे प्रचारित करता आ रहा है। इंटरनैशनल प्लेटफॉर्म पर शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के प्रति समाज के रवैये को बदलने और ऐसे लोगों के जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना ही इसका मुख्य लक्ष्य है।

चार तरह की मानसिक अक्षमता

माइल्ड : ऐसे बच्चों का आईक्यू 50-70 के बीच होता है, हालांकि इन बच्चों को शिक्षण और प्रशिक्षण दोनों दिया जा सकता है। ये बच्चे थोड़ी मुश्किलों के बाद समाज में अच्छे से अपना जीवन यापन कर सकते हैं।

मॉडरेट : ऐसे बच्चों का आईक्यू 35-50 के बीच होता है। ऐसी स्थिति में बच्चों को शिक्षण से इतर प्रशिक्षण दिया जा सकता है, ताकि वे आगे चलकर आत्मनिर्भर बन सकें।

सीवियरः ऐसे बच्चों का आईक्यू 20-35 होता है। इन्हें न तो शिक्षण दिया जा सकता है और न ही प्रशिक्षण। ऐसे बच्चों को उनके रोजमर्रा के काम जैसे टॉयलेट हैबिट, खाने-पीने के तरीकों के बारे में भी सिखाया जाता है। ऐसे बच्चों को एजुकेटर उनके रोजमर्रा के काम के बारे में ही अच्छी तरह से सिखाते हैं।

प्रोफाउंडः ऐसे बच्चों का आईक्यू 20 से नीचे होता है। इन बच्चों को पूरे जीवन दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे बच्चों का पूरा जीवन बिस्तर पर ही रहकर गुजर जाता है।

रखें खास खयाल

» अगर बच्चे में प्रारंभिक विकास यानी बोलने, चलने, उठने, बैठने में छह महीने से ज्यादा की देर हो रही हो तो क्लीनिकल साइकॉलजिस्ट से तुरंत बात करें।

» बच्चे पढ़ाई में मेहनत कर रहे हैं और रिजल्ट खराब आता है तो टीचर्स को उन पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर वे बच्चे में कुछ भी असामान्य देखते हैं तो तुरंत पैरेंट्स से बात करें।

» स्पेशल बच्चों को कुछ भी सीखने में थोड़ा ज्यादा वक्त चाहिए होता है, इसलिए हर कदम पर धैर्य रखें।

» बच्चों को सोशल करने के लिए पैरेंट्स को उन्हें ज्यादा से ज्यादा बाहर ले जाना चाहिए। समाज में घुलने मिलने देना चाहिए, जिससे सोसायटी में उन्हें एक्सेप्टेंस मिल सकें। समाज से अलग रखने से उनका विकास और धीमा हो सकता है।

» आमतौर पर लोग स्पेशल बच्चों का मजाक बनाते हैं। उनको समाज में वैसी इज्जत नहीं देते जिनके वे हकदार हैं। लोगों को समझना चाहिए कि इस दुनिया में सबको सम्मान से जीने का हक है। इसलिए उनका माखौल उड़ाने या गलत व्यवहार करने की जगह उनको सपोर्ट करें। हिकारत से न देखें। उनकी अक्षमताओं को नहीं बल्कि क्षमताओं को उन्हें समझने का आधार बनाएं।

» बच्चे से कभी यह न कहें या कि वह कमजोर है। हमेशा सपोर्ट करें और छोटी-मोटी गलती करने पर भी हौसला बढ़ाएं।

ये होता है आईक्यू

20 से नीचे प्रोफाउंड
50-35- आईक्यू मॉडरेट
35-20- आईक्यू सीवियर
70-50- आईक्यू माइल्ड

ये हो सकते हैं कारण

ऐसे बच्चे जिनकी सोचने-समझने की क्षमता उनकी उम्र के सामान्य बच्चों से कम होती है और जो न्यूरोडिवेलपमेंटल डिसऑर्डर के शिकार होते हैं, उन्हें स्पेशल बच्चे कहा जाता है। बच्चों के ऐसा होने के और भी कई कारण हो सकते हैं

गर्भावस्था के दौरान कोई संक्रामक रोग

» जन्म के बाद किसी इंफेक्शन के कारण » प्रेग्नेंसी के दौरान शारीरिक» मानसिक विसंगतियां » प्रेग्नेंसी के दौरान और जन्म के बाद भी पोषण की कमी

वास्तु

मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगें तो समझो मकान में है वास्तुदोष

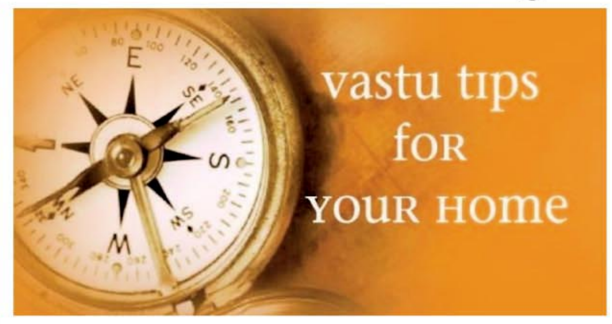

अगर मकान में रहने वाले लोग बार-बार बीमार पड़ने लगें, घर में झगडे ज्यादा होने लगें, लाभ से ज्यादा व्यय हो, ज्यादातर लोगों की मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगे, घर में डर लगने लगे, अकेले या रात में मकान में अजीब सी आवाजें आने लगे, चलते काम रूकने लगे, मकान में आत्माएं दिखने लगे, लगातार घर में क्लेश रहने लगे, बुरे सपने दिखें, शादी या संतान में रुकावट हो या घर में भारीपन रहे तो समझिए कि घर में वास्तु दोष है। ऐसे में ज्योतिष सलाह लें और बताए खास उपायों को भी अपनाने की कोशिश करें।

मकान में अजीब एहसास होना-

यदि आपके मकान के सामने किसी प्रकार का वेध यानी खंभा, बड़ा पेड़ या बहुमंजिला इमारत हो तो इसकी वजह से आपका स्वास्थ्य या आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

यदि वेघ दोष हो तो निम्न उपाय करना कारगर होगा। अपने मकान के सामने लैम्प पोस्ट लगा लें, यदि यह संभव नहीं हो, तो घर के आगे अशोक का वृक्ष और सुगंधित फूलों के पेड़ के गमले लगा दें। तुलसी का पौधा स्वास्थ्य के लिए शुभ होता है।

यदि मकान के पास में फैक्टरी का धुआं निकलता हो, तो एग्जास्ट पंखा या वृक्ष लगा लें। यदि मकान में बीम इसी जगह हो जिसके कारण आप मानसिक तनाव महसूस करते हो तो बीम से उत्पन्न होने वाले दोषों से बचाव के लिए यह उपाय अपना सकते हैं।

शयनकक्ष में वास्तु दोष

सशयनकक्ष में बीम हो, तो इसके नीचे अपना बैड या डाइनिंग टेबल नहीं लगाएं। यदि ऑफिस हो तो मेज व कुर्सियां नहीं रखें। बीम के दोनों ओर बांसुरी लगा दें, इससे वास्तुदोष निवारण हो जाता है। पवन घंटी बीम के नीचे लटका दें या बीम को सीलिंग टायलस से ढक दें।

बीम के दोनों ओर हरे रंग की गणपति प्रतिमा लगा दें, यह वास्तु दोषनाशक मानी जाती है। यदि मकान का कोई कोना आपके मुख्य द्वार के सामने आए, तो स्पॉट लाइट लगाएं। जिससे प्रकाश आपके घर की ओर रहे तथा सीधा ऊंचा वृक्ष बीच में लगा दें।

शयनकक्ष में घी का दीपक व अगरबत्ती करें जिससे मन प्रसन्न रहे, इस बात का घ्यान रखें कि झाड़ू शयनकक्ष में नहीं रखें। मकान में मुख्य द्वार पर देहरी बना लें, इससे बुरे व अन्य दोष घर में प्रवेश नहीं कर पाते हैं।

पूर्व-उत्तर (ईशान) कोण दोष

सईशान कोण के दोष के लिए इस दिशा में पानी से भरा मटका रखें. इस कोण को साफ-सुथरा रखें। अग्नि कोण दोष निवारण के लिए कोने में एक लाल रंग का बल्ब लगा दें जो दिन-रात जलता रहे। वायव्य कोण दोष निवारण के लिए इस ओर की खिड़कियां खुली रखें, ताकि वायु आ सके। एग्जॉस्ट पंखा भी लगा सकते हैं।

नैऋत्य कोण दोष निवारण के लिए इस कोने को भारी बनाएं, स्टोर बनाना यहां शुभ होता है। शयनकक्ष में दर्पण का प्रतिबिंब पलंग पर न पड़े तथा डबल बेड पर एक ही गद्दा रखें, तो ठीक रहेगा।

पूजा घर पूर्व-उत्तर (ईशान कोण) में होना चाहिए तथा पूजा यथासंभव प्रातः 06 से 08 बजे के बीच भूमि पर ऊनी आसन पर पूर्व या उत्तर की ओर मुंह करके बैठ कर ही करनी चाहिए। पूजा घर के पास उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में सदैव जल का एक कलश भरकर रखना चाहिए इससे घर में सपन्नता आती है।

मकान के उत्तर पूर्व कोने को हमेशा खाली रखना चाहिए। घर में कहीं भी झाड़ू को खड़ा करके नहीं रखना चाहिए, उसे पैर नहीं लगना चाहिए, न ही लांघा जाना चाहिए, अन्यथा घर में बरकत और धनागम के स्रोतों में वृद्धि नहीं होगी।

पूजा घर में तीन गणेशों की पूजा नहीं होनी चाहिए, अन्यथा घर में अशांति उत्पन्न हो सकती है। तीन माताओं तथा दो शंखों का एक साथ पूजन भी वर्जित है। धूप, आरती, दीप, पूजा अग्नि आदि को मुंह से फूंक मारकर नहीं बुझाएं, पूजा कक्ष में, धूप, अगरबत्ती व हवन कुंड हमेशा दक्षिण पूर्व में रखें।

पति-पत्नी में प्रेम के लिए प्रेमी परिंदे का चित्र या मेडरिन बतख का जोड़ा रखें अथवा सपरिवार प्रसन्नचित मुद्रा वाला चित्र लगाएं। डायनिंग टेबल को प्रतिबिंबित करने वाला आईना आपके सद्भाव व भाग्य में वृद्धि करता है, इसे लगाएं।

जीपीएस सिग्नल में आ रही समस्या का करें समाधान

आप घर से निकलने के साथ ही पूरा पता और नक्शा अपने फोन पर सर्च कर लेते हैं, जिससे कि आपका फोन हर छोटे-बड़े मोड़ और रास्तों की जानकारी देता रहे। इतना ही नहीं, आज फोन में कई एप्लिकेशन्स हैं, जो लोकेशन सर्विस का उपयोग करते हैं। ऐसे में यदि जीपीएस सिग्नल में थोड़ी भी परेशानी हो, तो आपके लिए बड़ी मुश्किल हो जाती है। जानिए कैसे जीपीएस सिग्नल को बेहतर किया जा सकता है।

क्या है जीपीएस

जीपीएस का आशय है ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम। यह तकनीक आपकी उपस्थिति को बताता है, जैसे- आप कहां हैं और किस दिशा में बढ़ रहे हैं आदि। जीपीएस तकनीक का डेवलपमेंट सबसे पहले यूएस आर्मी द्वारा किया गया था। वर्ष 1973 में अमेरिकन आर्मी ने इसे नेवी के लिए बनाया था, लेकिन 1995 में इस सेवा को आम उपभोक्ताओं के लिए भी पेश किया गया।

पता करें जीपीएस की परेशानी

यदि आपके फोन के जीपीएस में कोई भी समस्या है, तो उसका भी पता लगा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए फोन में जीपीएस इसेन्शल एप्लिकेशन डाउनलोड करना होगा। इससे जीपीएस में समस्या कमजोर सिग्नल की वजह से है या फिर यह हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर की वजह से, इसकी जानकारी मिल जाएगी। एप मेन्यू में सैटेलाइट का विकल्प मिलेगा। उस पर क्लिक करने से फोन सैटेलाइट से कनेक्ट हो जाएगा। यदि फोन सैटेलाइट से कनेक्ट नहीं हो रहा है, तो इसका मतलब है कि फोन के आसपास कोई मेटैलिक वस्तु है, जो सिग्नल को रोक रहा है। स्मार्टफोन केस या फिर कुछ और भी हो सकता है। ऐसे में फोन केस को हटाएं। यदि सैटेलाइट सही दिखा रहा है, लेकिन जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो समझें कि यह सॉफ्टवेटर की समस्या है।

जीपीएस डाटा को करें रिफ्रेश

कभी-कभी सैटेलाइट सिग्नल न होने की वजह से भी फोन का जीपीएस फ्रीज हो जाता है। ऐसी स्थिति में फोन में जीपीस स्टेटस या टूलबॉक्स जैसे एप्स डाउनलोड कर सकते हैं। ये फोन के जीपीएस डाटा को क्लियर कर उसे फिर से सैटेलाइट से कनेक्ट करने में सक्षम बनाते हैं।

हाई एक्यूरेसी मोड से हटाए

कई बार लोग फोन में बैटरी की खपत को कम करने के लिए जीपीएस सिग्नल को हाई एक्यूरेसी मोड से हटा देते हैं। बैटरी बचाने के लिए तो यह सही है, लेकिन इससे कभी-कभी जीपीएस सटीक जानकारी नहीं देता। यदि कभी लाकेशन सर्च के दौरान आपको लगता है कि जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो हाई एक्यूरेसी पर ही उसे रखें। हाई एक्यूरेसी का विकल्प आपको फोन की सेटिंग में जाकर लोकेशन में मिलेगा।

स्मार्टफोन में जीपीएस

स्मार्टफोन में जीपीएस के लिए एक सेंसर लगा होता है। यह सेंसर अंतरिक्ष में स्थापित जीपीएस से कम्युनिकेशन कर आपकी उपस्थिति को बताता है। इस सेंसर को फोन में लगे अन्य हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर द्वारा कंट्रोल किया जाता है। ऐसे में कभी-कभी जीपीएस सिग्नल में समस्या आ जाती है।

सर्दी में जुकाम से बचाएगी लौंग वाली चाय

आपकी सुबह की शुरुआत में मिठास घोलने वाली चाय, स्वाद के साथ सेहत से भी भरपूर होती है। अपने फायदों के साथ चाय के कई प्रकार बाजार में उपलब्ध हैं और कुछ विशेष स्वाद के लिए आप घर पर भी कुछ अलग तरह से चाय बनाते हैं। लौंग की चाय भी इन्हीं में से एक है, जो खास तौर से सर्दियों में बेहद फायदेमंद होती है। जानिए लौंग की चाय के फायदे।

1. सर्दी से बचाने के लिए लौंग की चाय बेहद लाभकारी है। लौंग की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दी के मौसम में दिन में 2 से 3 बार पीने पर आप सर्दी से बचे रह सकते हैं साथ ही खांसी और जुकाम से भी।

2. अगर आप बुखार से पीड़ति हैं, तो लौंग की चाय पीना आपके लिए काफी फायदेमंद होगा। इसका प्रयोग करने से आपका बुखार अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा।

3. शरीर के अंगों और मांस पेशियों में होने वाले दर्द से निजात पाना चाहते हैं तो लौंग की चाय जरूर पिएं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो लौंग की चाय से दर्द वाले स्थान की सिकाई कर सकते हैं। इससे आपको काफी फायदा होगा।

4. पाचन संबंधी समस्याओं में लौंग की चाय असरकारक है। पेट में एसिडिटी होने और पाचन तंत्र की धीमी गति होने पर लौंग की चाय पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से कार्य करता है।

5. दांतों में दर्द होने पर अक्सर लौंग के तेल का प्रयोग किया जाता है। लेकिन लौंग की चाय भी इसके लिए फायदेमंद हो सकती है। इसके अलावा कफ और गले के विकारों के लिए भी लौंग की चाय लाभदायक है।

ऐसे बनाएं

एक चम्मच लौंग को पहले खुरदुरा पीस लें, फिर एक कप पानी में इसे डालकर पांच से 10 मिनट तक उबालें। जब पानी उबलने लगे तो आधा चम्मच चाय की पत्ती डाल दें। फिर कुछ मिनट तक इसे पकाएं, अब चाय बनकर तैयार है। इसे ठंडा कर छान लीजिए। आप चाहें तो इसे फ्रिज में भी स्टोर कर सकते हैं। लौंग की चाय साइनस की समस्या में भी राहत पहुंचाती है।

रेसिपी

हरे प्याज का पराठा

सामग्री

मैदाः 280 ग्राम, नमकः 3/4 छोटा चम्मच

चीनीः 1 छोटा चम्मच, गर्म पानीः 80 मिलीलीटर, शीत पानीः 70 मिलीलीटर

तेलः फ्राई करने के लिए

हरा प्याजः स्वादानुसार

तेलः ब्रश करने के लिए

विधि

एक बाउल में 280 ग्राम मैदा, 3/4 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी, 80 मिलीलीटर गर्म पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 70 मिलीलीटर ठंडा पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इसे 20 मिनट के लिए रख दें। अब आटे को बराबर भागों में विभाजित करके उन्हें गेंद की तरह रोल करें। इस पर थोड़ा सा सूखा आटा लगाकर बेलन की सहायता से रोटी की तरह बेल लें। इस पर हरा प्याज छिड़कें और गोल-गोल रोल कर लें। फिर इसे दबाकर दोबारा बेलन की सहायता से परांठे की तरह बेलें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें और उसमें ब्रश की सहायता से थोड़ा सा तेल लगाकर गर्म करें। इसके बाद इस पर परांठा रखकर 3 मिनट तक पकाएं। फिर इसे पलटकर दूसरी तरफ से पकाएं। अब परांठे के दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से सेंक लें या जब तक यह सुनहरा भूरा नहीं हो जाता। आपका हरे प्याज का पराठा तैयार है, इसे हरे प्याज के साथ गार्निश करके सर्व करें।

एप्पल रबड़ी

सामग्री

3 कप वसा भरपुर दूध

2 1/2 टेबल-स्पून शक्कर

3/4 कप छिले और कसे हुए सेब

3 टेबल-स्पून हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम

1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर

विधि

एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें, दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें और ठंडा परोसें।

सुलभ सुझावः इस बात का ध्यान रखें कि आप सेब को रबड़ी में डालने से तुरंत पहले ही कसे, क्योंकि सेब का रंग भूरा हो सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**